राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 23 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 24 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सम्राट चौधरी पर जदयू के नेताओं ने जताया भरोसा, बोले- गृह मंत्री के रूप में नीतीश मॉडल को आगे बढ़ाएंगे

पटना। बिहार में उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी को गृह मंत्री बनाए जाने पर राजनीति के बीच जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के नेताओं ने भरोसा जताया है कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गुड गवर्नेंस के रोडमैप को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा, सम्राट चौधरी ने बेहद अहम बात की कि वे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कानून व्यवस्था के मॉडल को आगे जारी रखेंगे। विभागों के बंटवारे पर राजीव रंजन ने कहा, यह मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है कि किसे क्या विभाग दिया जाए। इसी के तहत उन्होंने गृह विभाग सम्राट चौधरी को दिया है। इसके बदले वित्त और वाणिज्य कर विभागों को लिया है, जो पहले जदयू के पास नहीं थे।

उन्होंने कहा, नीतीश कुमार ने बिहार में विकास की लंबी लकीर खींचने का संकल्प लिया है। औद्योगिक विस्तार के लिए बिहार में वातावरण बनाना, औद्योगिक घरानों को बिहार में उद्योग लगाने के लिए प्रेरित करना और एक करोड़ लोगों को रोजगार देना, यह ऐसे विषय हैं, जिनमें वित्त विभाग की भूमिका अहम होगी। इसलिए हर महत्वपूर्ण फैसला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लेंगे। ऐसे में विपक्ष के लिए सियासत करने की कोई गुंजाइश नहीं बचती है।

जदयू नेता नीरज कुमार ने कहा, गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालने के बाद सम्राट चौधरी ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार के गुड गवर्नेंस के रोडमैप को फॉलो करते रहेंगे। उन्होंने नीतीश कुमार के रोल मॉडल को और आगे ले जाने की बात कही है। वहीं, सम्राट चौधरी को गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने पर केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा सांसद सतीश चंद्र दुबे ने कहा, 2005 से बिहार में कानून का राज मजबूती से कायम हुआ है। छोटी-मोटी घटनाओं में भी सख्त कार्रवाई होती है। अब अपराधी या तो बिहार छोड़ दें या नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहें।

कंट्रोल की लड़ाई पर केंद्र का बड़ा स्पष्टीकरण, एमएचए ने साफ की तस्वीर; बताया सच

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के प्रशासनिक स्टेटस को लेकर पंजाब की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से भूचाल आया हुआ है। अटकलें लगाई जा रही थीं कि केंद्र सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ के संविधानिक दर्जे में बड़ा बदलाव करने जा रही है। इन चर्चाओं ने पंजाब सरकार, कांग्रेस और अकाली दल को एक सुर में विरोध करने पर मजबूर कर दिया था। हालांकि, अब केंद्र सरकार ने इन तमाम आशंकाओं को खारिज करते हुए अपना रुख पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि केंद्र सरकार 1 से 19 दिसंबर तक चलने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में एक ऐसा बिल ला सकती है, जिसके तहत चंडीगढ़ को संविधान के आर्टिकल 239 की जगह आर्टिकल 240 के तहत लाया जाएगा। अगर ऐसा होता, तो चंडीगढ़ पूर्ण रूप से एक केंद्र शासित प्रदेश (ज्ञ) बन जाता, जहाँ प्रशासनिक अधिकार सीधे राष्ट्रपति और केंद्र सरकार के हाथों में चले जाते। पंजाब के नेताओं को आशंका थी कि इस बदलाव से चंडीगढ़ पर पंजाब का पारंपरिक और प्रशासनिक नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इसी डर के चलते राज्य के सभी प्रमुख दलों ने इसका कड़ा विरोध जताया था। विवाद गहराता देख केंद्र सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति साफ की है।

सरदार पटेल की कर्मभूमि करमसद से स्टैच्यू ऑफयूनिटी केवड़िया तक पदयात्रा में शामिल होंगे युवा

मुख्यमंत्री साय ने यूनिटी मार्च के लिए राज्य के 68 युवाओं के दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित पदयात्रा में शामिल होने के लिए गुजरात जाने वाले राज्य के 68 युवाओं के दल को आज रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये युवा सरदार पटेल की कर्मभूमि करमसद से केवड़िया तक आयोजित राष्ट्रीय पदयात्रा में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की 562 रियासतों और ब्रिटिश शासन के अधीन क्षेत्रों को एकजुट कर अखंड भारत की नींव रखी। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, अटल संकल्प और अथक परिश्रम ने भारत को एक सूत्र में पिरोया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विगत दिनों वे गुजरात के केवड़िया में आयोजित भारत पर्व में सम्मिलित हुए थे, जहाँ उन्होंने विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा—स्टैच्यू ऑफ यूनिटी—के दर्शन किए और भारत की सांस्कृतिक एकता की जीवंत झलक देखी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, विविधता और व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 26 नवम्बर से 06 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले यूनिटी मार्च में छत्तीसगढ़ के युवाओं के साथ देशभर के जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे, जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक एकता

के निर्माण में सरदार पटेल का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने रियासतों के विलय का ऐतिहासिक कार्य किया जो भारत की एकता और अखंडता का आधार बना। उन्होंने चयनित युवाओं को राष्ट्रीय पदयात्रा के लिए शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव ने युवाओं को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और पदयात्रा में शामिल होने के लिए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री नवीन मार्कण्डेय, श्री जी. वेंकट राव, श्री श्याम नारंग, श्री राहुल टिकरिया, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का कार्यकाल पूरा, बोले- रिटायरमेंट के बाद सरकारी पद स्वीकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई का कार्यकाल पूरा हो चुका है। रविवार को वह अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रिटायरमेंट से ठीक पहले आयोजित विदाई समारोह में उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। सीजेआई ने न्यायपालिका से जुड़े मिथकों, सामाजिक न्याय और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत विचार साझा किए। सीजेआई बीआर गवई ने स्पष्ट किया कि रिटायरमेंट के बाद वे किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। आगे के अपने सफर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह पहले 10 दिन आराम करेंगे, उसके बाद आगे की योजनाओं पर निर्णय लेंगे। उन्होंने बताया कि समाज सेवा उनके खून में है। विशेष रूप से वे आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक कार्य करने की योजना रखते हैं। कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्र न्यायपालिका के सवाल पर गवई ने बेबाक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि अगर कोई जज सरकार के पक्ष में फैसला देता है तो वह स्वतंत्र नहीं है। फैसले कानून और संविधान के आधार पर लिए जाते हैं।

सीजेआई ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य आरक्षण के असल लाभार्थियों तक विशेष सहायता पहुंचाना है। उनके अनुसार इससे उन लोगों को लाभ मिलेगा जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

सोशल मीडिया को लेकर सीजेआई ने कहा कि यह आजकल समस्या बन गई है। हम जो नहीं कहते, वह भी लिखा और दिखाया जाता है। यह केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है, सरकार और अन्य संवैधानिक संस्थाएं भी इससे प्रभावित हैं।

एक सवाल के दौरान जब पूछा गया कि किसी जज के घर पैसे मिलने की स्थिति में सीधे एफआईआर दर्ज होनी चाहिए या सीजेआई द्वारा जांच कराई जानी चाहिए, तो गवई ने टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यशवंत वर्मा मामले पर कोई कमेंट नहीं करूंगा, क्योंकि यह मामला अब पार्लियामेंट के पास है।

संवैधानिक बहस से जुड़े एक हालिया निर्णय पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रेफरेंस वाले फैसले में राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिलों को मंजूरी देने के लिए समय अवधि तय नहीं की जा सकती। इस मामले में उन्होंने स्पष्ट किया कि दो सदस्यीय पीठ के फैसले को बदला नहीं गया, बल्कि भविष्य के लिए संभावित व्यवस्था पर राय दी गई है।

इसके अलावा, न्यायपालिका में रिश्तेदारों की नियुक्ति के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है कि जजों के रिश्तेदार जज बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों का आंकड़ा सिर्फ 10ङ्क15 फीसदी हो सकता है। यदि किसी रिश्तेदार का नाम आता है, तो हम चयन में और भी कठोर मानदंड अपनाते हैं।

जी20 के दो सेशन में शामिल हुए पीएम मोदी, साझा किया अपना अनुभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने न केवल जी20 की बैठक में हिस्सा लिया, बल्कि जी20 के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। पीएम मोदी ने इसकी एक वीडियो भी साझा की है। आज समिट के दूसरे दिन भी प्रधानमंत्री कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने वीडियो साझा कर लिखा, जोहान्सबर्ग में कल जी20 समिट की कार्यवाही अच्छी रही। मैंने दो सेशन में हिस्सा लिया और खास मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। दुनिया के कई नेताओं के साथ अच्छी बैठक भी हुईं। पीएम मोदी आज जी20 समिट के तीसरे सेशन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े आठ बजे

दक्षिण अफ्रीका के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद फिर नौ बजे आईबीएसए की बैठक में वह शामिल हुए। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रही इंडिया-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) मीटिंग हुई। बता दें, यह ग्लोबल साउथ में होने वाला लगातार चौथा जी20 समिट है। जी20 के तीसरे सेशन की शुरुआत सुबह 10 बजे हुई।

जी20 के तीनों सेशन का थीम इनक्लूसिव इकोनॉमिक ग्रोथ, क्लाइमेट रेजिलिएंस, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रहा। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार पीएम मोदी ने जी20 एजेंडा पर भारत की सोच दुनिया के सामने रखी। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा बयान में कहा गया कि सेशन के थीम में तीन मुद्दों को शामिल किया गया है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने 5.92 करोड़ के इन्वेस्टमेंट फॉड का किया भंडाफोड़, चार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने देशभर में फैले एक बड़े ऑर्गेनाइज्ड साइबर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए उत्तराखंड के हल्द्वानी से चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी पूरे भारत में 5.92 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने वाले हाई-वॉल्यूम म्यूल अकाउंट्स ऑपरेट करते थे और दुबई स्थित मास्टरमाइंड के लिए काम कर रहे थे। मामला अप्रैल 2025 में दर्ज एफआईआर नंबर 131/25 (पीएस स्पेशल सेल) से जुड़ा है, जिसमें एक पीड़ित से फेसबुक पर फर्जी महिला प्रोफाइल (ए) के जरिए संपर्क कर सीबीसीएक्स ग्लोबल ट्रेडर्स, मुंबई नाम की कथित एनबीएफसी में हाई रिटर्न इन्वेस्टमेंट का लालच दिया गया। दो महीने तक लगातार उकसाने के बाद पीड़ित से कुल 5,92,44,480 रुपए की ठगी की गई। विस्तृत फाइनेंशियल जांच में सामने आया कि ठगी का पैसा पहले 33 अलग-अलग बैंक अकाउंट्स में बंटवाया गया, फिर कई लेयर्स में ट्रांसफर कर ट्रेल मिटाने

की कोशिश की गई। साइबर सेल ने एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज 10 अन्य शिकायतों से भी कनेक्शन जोड़ा, जिसमें सिर्फ दर्ज कंप्लेंट्स में ही 1.1 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी सामने आई।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम अनस अंसारी (22), मोहम्मद कैफ (22), आकिब (40) और मोहम्मद दानिश (22), हल्द्वानी शामिल हैं। दानिश दुबई-बेस्ड हैंडलर के लिए म्यूल अकाउंट जुटाता था, ओटीपी शेयर करता था, और कैश निकालकर कमीशन पर बांटता था।

पोर्टलों से शासन नहीं चलता, नागरिक तक न्याय पहुंचना चाहिए : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आज जबकि हर सरकारी योजना को डिजिटल इंडिया और पोर्टलों से जोड़ने की बातें बड़े मंचों पर खूब गूंजती हैं, वास्तविकता यह है कि आम नागरिक के लिए वही पोर्टल अकसर दीवार बन जाते हैं। सरकार नए-नए शब्दों और चमकदार आंकड़ों की

नुमाइश तो करती है, पर यह नहीं बताती कि अंतिम व्यक्ति तक व्यवस्था पहुंचे कैसे। कुमारी सैलजा ने मांग की है कि सरकार तकनीक को जनहित का माध्यम बनाए, बाधा नहीं। हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक सीधे पहुंचे, और डिजिटल व्यवस्था को सरल, सुलभ व पारदर्शी बनाया जाए। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकारी पोर्टल तभी सफल माने जाएंगे जब किसान, बुजुर्ग, मजदूर, छात्र और महिलाओं को बिना चक्कर काटे, बिना दलालों के चंगुल में फंसे, उनकी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हों। केवल तकनीक का बखान करने से शासन संवेदनशील नहीं बन जाता। बैठकों और रिपोर्टों में विकास की ऐसी तस्वीर पेश की जा रही है जैसे प्रदेश में 'स्वर्णकाल' चल रहा हो, जबकि हकीकत इससे बिलकुल उलट है।

सांसद ने कहा कि प्रदेश का किसान तो पोर्टल के खेल में पिसकर रह गया है, अगर फसल का ब्यौरा भी पोर्टल पर डाल दिया जाए तो उसका भी कोई लाभ नहीं मिलता, प्राकृतिक आपदा में खराब हुई फसल के मुआवजे के लिए चक्कर काटने पड़ते है। पोर्टल से सबसे ज्यादा परेशान ग्रामीणों को होती। इंटरनेट सही न होने से पोर्टल बंद ही रहता है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आज महंगाई चरम पर है, किसान लगातार कर्ज और लागत के दबाव में है। खराब फसल का मुआवजा न मिलने पर वह आर्थिक रूप से टूट जाता है और अधिक तनाव के चलते आत्महत्या तक जैसा कदम उठा लेता है।

प्रदूषण पर सरकार का बड़ा एक्शन, डीजल ऑटो पर लगाया कंपलीट बैन

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एक सख्त और बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से नोएडा और गाजियाबाद में डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को जानकारी दी कि यूपी सरकार ने एनसीआर के यूपी क्लस्टर में डीजल वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए यह आदेश जारी किया है, जिसके तहत अब इन दो प्रमुख शहरों में डीजल ऑटो सड़कों पर नहीं दौड़ सकेंगे।

हाकिमपुर बॉर्डर पर उमड़ी भीड़

'बंगाल में चार बार दिया वोट', अवैध बांग्लादेशियों के चौंकाने वाले कबूलनामे

उत्तर परगना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हाकिमपुर बीएसएफचौकी के पास एक कच्चे, धूल भरे रास्ते पर शनिवार को असामान्य सी हलचल दिखी। बरगद के पेड़ की छांव तले, छोटे बैग लिए परिवार, बच्चों के हाथों में पानी की बोतलें, और चुपचाप बैठे पुरुष- सब एक ही अपील दोहराते दिखे: 'हमें घर जाने दीजिए।' ये वे लोग हैं जिन्हें सुरक्षा एजेंसियां 'अवैध बांग्लादेशी निवासी' बता रही हैं, ऐसे लोग जिन्होंने वर्षों तक पश्चिम बंगाल के अलग-अलग इलाकों में रहकर काम किया, पहचान पत्र बनवाए, और अब अचानक वापस लौटने की कोशिश में हैं। इस असामान्य उलटी पलायन की वजह है पश्चिम

बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) - यानी मतदाता सूची की सख्त जांच।

खुलना जिले की रहने वाली शाहिन बीबी अपने छोटे बच्चे के साथ सड़क किनारे इंतजार कर रही थीं। वो न्यू टाउन, कोलकाता में घरों में काम करके 20000 रुपये महीना कमाती थीं। उन्होंने साफकहा, 'हम गरीबी के कारण आए थे। दस्तावेज ठीक नहीं थे। अब जांच हो रही है, इसलिए लौटना ही बेहतर लग रहा है।' कई लोग मानते हैं कि उन्होंने आधार, राशन कार्ड या वोटर आईडी जैसे कागज दलाल और बिचौलियों के जरिए बनवाए थे। एसआईआर में इन पुराने कागजों की दोबारा जांच हो रही है, इसलिए लोग पूछताछ और हिरासत से बचने के लिए खुद ही सीमा पर आ पहुंचे हैं। एक युवा वेटर बोला, 'आठ साल रह लिया। अगर पुराने कागज मांगे तो क्या दिखाएंगे? जाने में ही भलाई है।'

कतार तंबू बन गई, सड़क इंतजारगाह

बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन 150-200 लोग पकड़े जा रहे हैं और जांच के बाद उन्हें 'वापस भेजा' जा रहा है। 4 नवंबर, यानी एसआईआर शुरू होने के बाद से ही भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। सभी लोगों के बायोमैट्रिक डेटा लेकर पुलिस और प्रशासन को भेजा जाता है। भीड़ ज्यादा होने पर दो-तीन दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। गेट के अंदर बीएसएफ खाना दे रहा है। बाहर इंतजार कर रहे लोग सड़क किनारे चाय-ढाबों पर निर्भर हैं। 40 रुपये में चावल-अंडा और 60 रुपये में चावल-मछली मिल रहा है।

ढुलागोरी की फैक्टरी में काम करने वाले 29 वर्षीय मनीरुल शेख बताते हैं, 'हमने 5000 से 7000 रुपये देकर भारत में एंट्री ली थी। लेकिन कागज बनवाने में 20000 रुपये तक खर्च हो गया। अब एसआईआर की जांच से सब डर गए हैं।' इमरान गाजी नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि, 'मैंने 2016, 2019, 2021 और 2024 में चार बार वोट दिया है। पर 2002 का कोई असली कागज नहीं। इसलिए लौट रहा हूं।'

सोशल मीडिया से ब्रेक लेने जा रहे रोनित रॉय, फैंस को बताई वजह

मुंबई। टीवी और फिल्मों में शानदार काम कर अच्छी खासी फैन-फॉलोइंग बनाने वाले एक्टर रोनित रॉय ने अचानक अपने फैंस को चौंकाते हुए सोशल मीडिया से दूरी बनाने का ऐलान कर दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर उन्होंने फैंस को टोटल सोशल मीडिया सेपरेशन की जानकारी दी। एक लंबा-चौड़ा पोस्ट करते हुए रोनित ने बताया कि वह कुछ समय के लिए पूरी तरह डिजिटल वर्ल्ड से अलग होना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द वापसी करेंगे।

रोनित ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताने और नई शुरुआत करने की तैयारी में हैं। उन्होंने लिखा, हेलो दोस्तों, मैं जो कहने जा रहा हूं, वो ढेरों प्यार और नरमी के साथ है। आप सब जानते हैं कि मैं आपसे कितना प्यार करता हूं। मैं आपके पोस्ट्स देखता हूं, लाइक और कमेंट करता हूं और जितना हो सके रिप्लाई भी करता हूं।

मुसलमानों के लिए भारत से बेहतर कोई देश नहीं, मौलाना अरशद मदनी के बयान पर शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी की ओर से एक कार्यक्रम में देश के मुसलमानों को लेकर दिए बयान पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। अरशद मदनी ने एक कार्यक्रम में कहा कि लंदन या न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों में मुसलमान मेयर बन सकते हैं, जबकि भारत में वही व्यक्ति किसी विश्वविद्यालय का कुलपति तक नहीं बन सकता। मदनी के इस बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। शाहनवाज हुसैन ने रविवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से विशेष बातचीत में कहा, मौलाना अरशद मदनी का बयान अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना और निंदनीय है। उन्होंने भारत को बदनाम करने का काम किया है। दुनिया के किसी भी देश में अल्पसंख्यकों को उतने अधिकार नहीं मिले जितने भारत में मिले हैं। भारतीय मुसलमानों के लिए भारत से बेहतर कोई देश नहीं, हिन्दुओं से अच्छा कोई दोस्त नहीं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बेहतर कोई नेता नहीं मिल सकता। हमारा देश सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां के मुसलमान कई शहरों में मेयर बने हैं, बड़े-बड़े संवैधानिक पदों पर रहे हैं। भारत का मुसलमान राष्ट्रपति बन सकता है, मुख्य न्यायाधीश बन सकता है, क्रिकेट-हॉकी टीम का कप्तान बन सकता है, वायुसेना का प्रमुख बन सकता है। भारत के मुसलमान को देश का सर्वोच्च पद यानी राष्ट्रपति का पद मिल चुका है। फिर भी मौलाना अरशद मदनी इस तरह के बयान दे रहे हैं।

क्यों बढ़ रहे सोने के दाम? चीन का शातिर प्लान बना बड़ी वजह, आखिर कहां खड़ा है भारत

बीजिंग एजेंसी।
सोने की बढ़ती कीमत के पीछे चीन का बड़ा हाथ है। ड्रैगन यानी चीन पिछले दो सालों से धड़ाधड़ सोना खरीद रहा है। यहां रोचक बात ये है कि चीन ने जितना सोना मार्केट को बताया है उससे कई गुना ज्यादा खरीदा है। अब सवाल ये है कि- चीन ऐसा क्यों कर रहा है? क्या ये महज निवेश है या कोई गहरा शातिर प्लान? सोना आता कहां से है? और सबसे बड़ा सवाल- भारत इस रेस में कहां खड़ा है? आइए, विस्तार से समझते हैं।

सोना कोई नई खोज नहीं। प्राचीन काल से ही ये धन का प्रतीक रहा। 19वीं सदी में गोल्ड स्टैंडर्ड सिस्टम आया, जहां देशों की मुद्राएं सोने से जुड़ी हुई थीं। अमेरिका ने 1900 में इसे अपनाया, जिससे डॉलर की वैल्यू सोने से तय होती थी। लेकिन 1933 में ग्रेट डिप्रेशन के दौरान अमेरिका ने इसे छोड़ दिया और 1971 में निक्सन ने पूरी तरह खत्म कर दिया। क्यों? क्योंकि सोना खरीदने-बेचने से अर्थव्यवस्था लचीली नहीं रहती।

विविधीकरणः मुद्रा (जैसे डॉलर) के उतार-चढ़ाव से बचाव रहता है। सोना सेफ हेवन है यानी महंगाई या संकट में इसकी कीमत बढ़ती है।

सोना बेचकर कर्ज चुकाया जा सकता है या अंतरराष्टीय संस्थाओं से लोन लिया जा सकता है। ये देश को क्रेडिबल यानी विश्वसनीय बनाता है।

डॉलर पर निर्भरता कम करनाः खासकर उभरते देश जैसे भारत, रूस और चीन डॉलर पर निर्भरता कम करने का इरादा रखते हैं। 2008 की वैश्विक मंदी और 2022 के रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद केंद्रीय बैंक सोना

खरीदने लगे। विश्व गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, 2022-2024 में केंद्रीय बैंकों ने 3000 टन से ज्यादा सोना खरीदा। यह पिछले 40 वर्षों में सबसे ज्यादा है। चीन का ये सोना जुनून इसी इतिहास का हिस्सा है, लेकिन इसमें एक शातिर चाल है।

चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना 2023 से आक्रामक खरीदारी पर उतर आया। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि सितंबर 2025 तक चीन के पास 2303 टन सोना है। यह चीन के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 7.7 फीसदी है। लेकिन विशेषज्ञ कहते हैं, असल आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है। इंडस्ट्री एनालिस्ट्स का अनुमान है कि 2024 में चीन की केंद्रीय बैंक ने गुप्त रूप से 570 टन सोना खरीदा और कुल होल्डिंग 5000 टन के पार है। 2025 में अब तक 24 टन की घोषित खरीदारी हो चुकी है।

गोल्डमैन सैक्स ग्रुप के अनुसार, चीन ने इसी साल सितंबर में अपने विदेशी मुद्रा भंडार में अनुमानित 15 टन सोना जोड़ा है, जो गर्मियों की सुस्ती के बाद वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में आई तेजी को दर्शाता है। यह आंकड़ा चीन द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित 1.24 टन की तुलना में कहीं अधिक है। विश्लेषक लीना थॉमस सहित गोल्डमैन सैक्स के विशेषज्ञों का कहना है कि सितंबर में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 64 टन सोना खरीदा, जो पिछले महीने की तुलना में तीन गुना से अधिक है। बैंक का अनुमान है कि नवंबर में भी यह खरीदारी जारी है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि हम यह देखते रहेंगे कि केंद्रीय बैंक भू-राजनीतिक और वित्तीय जोखिमों से बचाव के लिए सोने में अपने भंडार को विविधीकृत कर रहे हैं। यह एक बहुवर्षीय ट्रेंड है। पिछले तीन वर्षों में सोने की कीमतों में आई तेज वृद्धि में केंद्रीय बैंकों की खरीदारी एक महत्वपूर्ण कारक रही है। अक्टूबर में सोना 4,380 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, हालांकि हाल के हफ्तों में कीमतों में कुछ गिरावट देखी गई है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप, बंगाल में भी तेज झटके; नरसिंगडी में रहा केंद्र

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद पश्चिम बंगाल में भी तेज झटके महसूस किए जाने की खबर है। अमेरिकी एजेंसी- यूएसजीएस ने बताया है कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नरसिंगडी के पास रहा। फिलहाल, किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। इस संबंध में सूचनाएं लगातार अपडेट हो रही हैं। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप के झटके शुक्रवार सुबह 10.08 बजे महसूस किए गए।बांग्लादेश के प्रोफेसर ने दी चौंकाने वाली जानकारी भूकंप से जुड़ी एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में भूकंप आया। डेली स्टार की इस खबर के अनुसार, बांग्लादेश ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति और भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद हुमायूं अख्तर ने बताया कि बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में आए भूकंप के झटके बहुत तेज थे। प्रोफेसर अख्तर के मुताबिक हाल के दिनों में, बांग्लादेश ने में इतनी तीव्रता के झटका महसूस नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया कि सीमा पर बसे कोलकाता और आसपास के इलाकों के निवासियों ने भी भूकंप के हल्के झटके महसूस करने की बात कही। लोगों ने बताया कि भूकंप के दौरान पंखे और दीवार पर लटकने वाली चीजें हिलती दिखीं। हालांकि, पश्चिम बंगाल से भूकंप में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

सुरक्षा बलों ने 23 टीटीपी आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के 23 आतंकियों को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना ने कहा, अभियान के तहत कुर्रम जिले में टीटीपी के 12 आतंकी मार गिराए?गए। खुफिया सूचना के आधार पर इसी इलाके में एक और अभियान में 11 अन्य टीटीपी आतंकी ढेर किए?गए। वहीं, बृहस्पतिवार को लक्की मारवत में टीटीपी कमांडर वली को जिंदा पकड़ लिया।

आईएईए ने ईरान से मांगी यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी

तेहरान, एजेंसी।संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) ने ईरान से हथियार-स्तर के करीब संवर्धित यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी मांगी है। आईएईए ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह निरीक्षकों को अपने परमाणु स्थलों तक पूर्ण व त्वरित पहुंच भी प्रदान करे। वियना में आईएईए के महानिदेश राफेल ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि एजेंसी को ईरान के निम्न और उच संवर्धित यूरेनियम के भंडार की तत्काल जांच करने की आवश्यकता है, जिसे निरीक्षक पिछले पांच महीने में नहीं कर पाए हैं।

मेहुल प्रत्यर्पण मामले की बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट में 9 को सुनवाई

ब्रसेल्स, एजेंसी। भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को चुनौती देने वाला मामला बेल्जियम की सर्वोच न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसैशन में 9 दिसंबर को सुना जाएगा। चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में 17 अक्तूबर के एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत की ओर से प्रत्यर्पण की मांग को वैध और लागू करने योग्य माना गया था। कोर्ट ऑफ कैसैशन केवल कानूनी पहलुओं की समीक्षा करती है और नए सबूत या तथ्य पेश नहीं किए जा सकते। एजेंएडवोकेट जनरल हेनरी वांडरलिंडेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुनवाई लिखित रूप में होगी। यदि अदालत अपील स्वीकार नहीं करती है तो यह केवल कानूनी कारणों से होगा। बता दें कि 17 अक्तूबर को एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील की चार सदस्यीय पीठ ने मुंबई विशेष न्यायालय की ओर से मई 2018 और जून 2021 में जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू होने योग्य करार दिया था।

पीएम मोदी ने मेरी मां की जान बचाई, यूनुस उन्हें छू भी नहीं सकता; शेख हसीना के बेटे ने दी चुनौती

लंदन, एजेंसी।
बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल कोर्ट ने मानवता के खिलाफ कथित अपराधों के एक मामले में मौत की सजा सुनाई है। ट्रिब्यूनल कोर्ट के इस फैसले के बाद शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने मोहम्मद यूनुस पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वे मेरी मां को नहीं मार पाएंगे।

दरअसल, बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना इस समय भारत में निर्वासन में हैं। सोमवार को बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना को मौत की सजा सुनाई। जिसके बाद बेटे सजीब वाजेद ने कहा कि मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस उनकी मां की हत्या नहीं कर पाएंगे।

शेख हसीना के बेटे वाजेद ने कहा, यूनुस मेरी मां को छू नहीं सकता और वह उनके साथ कुछ भी नहीं कर

सकता। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि बांग्लादेश में स्थिति अवैध और असंवैधानिक है और एक बार कानून का शासन आ जाने पर मामला टिक नहीं पाएगा।

वाजेद ने कहा कि मुहम्मद यूनुस मेरी मां को मार तो नहीं पाएंगे, क्योंकि, वे उन्हें पकड़ नहीं पाएंगे। लेकिन फैसले को जरूर लागू करेंगे। वाजेद ने आगे कहा कि एक बार कानून का राज आ जाए, तो यह पूरी प्रक्रिया ही रद हो जाएगी। भारत सरकार का शुक्रगुजार रहूंगा

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। उन्होंने मेरी मां की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने मेरी मां की जान बचाई है। वह एक देश के मुखिया के तौर पर उन्हें कड़ी सुरक्षा में रख रहे हैं और इसके लिए मैं भारत सरकार और भारत के लोगों का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा।

हसीना पर फैसले की निंदा करते हुए वाजेद ने कारण गिनाए कि यह पूरी तरह से अवैध क्यों है। उन्होंने कहा कि यह एक मजाक है। सबसे पहले, यहां एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। फिर, न्यायाधिकरणों में मुकदमों को तेजी से निपटाने के लिए, उन्हें कानूनों में संशोधन करना पड़ा, जो आप केवल संसद में ही कर सकते हैं। वर्तमान में, कोई संसद नहीं है। इसलिए यह प्रक्रिया ही पूरी तरह से अवैध थी।

वाजेद ने आगे कहा कि यूनुस ने इस न्यायाधिकरण के 17 न्यायाधीशों को बर्खास्त कर दिया और एक ऐसे नए न्यायाधीश को नियुक्त किया, जिसके पास कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मेरी मां के बारे में एक भद्दी टिप्पणी की है। इसलिए वह स्पष्ट रूप से पक्षपाती हैं। वाजेद ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि बांग्लादेश में अधिकारियों ने हसीना को वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं दी और इसके बजाय उन्होंने अपना बचाव करने के लिए अपने स्वयं के वकील चुन लिए। बांग्लादेश के इतिहास में ऐसे मुकदमों में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने इसे 140 दिनों में पूरा कर लिया। इसलिए यह न्याय का पूरी तरह से मजाक है।

सिर्फ 4 घंटे में कर दिया कमाल! बीच सड़क के गड्ढे को चकाचक किया

दुबई, एजेंसी। दुबई में सड़क मरम्मत की रफ्तार देखकर कोई भी हैरान रह जाएगा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में दिखाया गया है कि शहर के बीचोंबीच बने बड़े गड्ढे को शिकायत मिलने के सिर्फ 2 घंटे के भीतर भरकर सड़क को बिल्कुल नया बना दिया गया। जिसमें दिखाया गया है कि रोड के बीचोंबीच बने एक 'महागड्ढे' को शिकायत के महज 120 मिनट के भीतर न सिर्फ भर दिया गया, बल्कि सड़क को ब्रांड न्यू बना दिया गया। यह वीडियो भारतीय उद्यमी ऋषभ नागपाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया। नागपाल ने बताया कि उनके एक दोस्त ने दुबई के सड़क और परिवहन प्राधिकरण को गड्ढे की शिकायत भेजी थी। इसके बाद ऋ्रझ तुरंत एक्शन में आ गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोपहर 12:30 बजे सड़क पर

लगभग 30-40 स्क्वायर फीट क्षेत्र में खतरनाक गड्ढे थे। शिकायत मिलने के तुरंत बाद कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने न केवल गड्ढों को भरना शुरू किया बल्कि यातायात का ध्यान रखते हुए काम किया, ताकि राहगीरों को परेशानी न हो। सिर्फ एक घंटे में गड्ढों को बजरी से भर दिया गया और रोड रोलर ने सड़क की सतह को चिकना कर दिया। दोपहर 2 बजे तक पूरी सड़क नई रोड मार्किंग के साथ तैयार हो चुकी थी। शाम 4:30 बजे मजदूरों ने अपना सारा सामान समेट लिया और सड़क पर यातायात सामान्य हो गया।

पाकिस्तान की फैक्ट्री में बॉयलर में जोरदार धमाका, 15 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को एक केमिकल फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। जहां तड़के सुबह बॉयलर ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना भयानक था कि इससे फैक्ट्री में न सिर्फ आग लगी, बल्कि आस-पास की इमारतें भी गिर गईं। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

दरअसल,पंजाब प्रांत में लाहौर से 130 किमी की दूरी पर स्थित फैसलाबाद जिले के मलिकपुर इलाके में सुबह सुबह एक कैमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से बड़ा धमाका हुआ। फैक्ट्री के बॉयलर में धमाके से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल लाया गया।

धमाके से गिरी बिल्डिंगत्र फैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर राजा जहांगीर अनवर ने रिपोर्टर्स को बताया कि मलिकपुर इलाके में एक केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर में हुए जबरदस्त धमाके की वजह से आस-पास की इमारतें, जिसमें एक बिल्डिंग भी शामिल है, गिर गईं।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारीः डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि अब तक रेस्क्यू टीमों ने मलबे से 15 लाशें निकाली हैं और सात घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। डर है कि मलबे के नीचे और लोग हो सकते हैं। रेस्क्यू टीमें मलबा हटाने में लगी हुई हैं। जिले की पूरी मशीनरी रेस्क्यू के काम में लगी हुई है।

वहीं, पंजाब के पुलिस इंस्पेक्टर जनरल डॉ. उस्मान अनवर ने निर्देश दिया कि रेस्क्यू 1122, फायर ब्रिगेड और सभी संबंधित एजेंसियों को पूरी मदद दी जाए।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर धमाके में कीमती जानें जाने पर गहरा दुख जताया, दुखी परिवारों के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति जताई।

● मारिया कोरिना मचाडो के प्राइज लेने में बड़ा अड़गा

नोबेल के सम्मान के साथ अपमान भी मिलेगा

लंदन, एजेंसी।
नोबेल पुरस्कार विजेता मारिया कोरिना मचाडो व्यक्तिगत रूप से अवॉर्ड लेने जाने पर रोक लग सकती है। खबर है कि अगर वह पुरस्कार लेने नॉर्वे गईं, तो उन्हें वेनेजुएला सरकार भगोड़ा घोषित कर सकती है। पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होना है। लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रचार के लिए उन्हें नोबेल से नवाजा गया है। मचाडो के खिलाफ आतंकवाद संबंधी कई मामले दर्ज हैं। वेनेजुएला के एटॉर्नी जनरल तारिक विलियम साब ने कहा है कि विपक्ष की नेता मचाडो अगर नॉर्वे जाती हैं, तो उन्हें भोगाड़ा माना जाएगा। मचाडो का कहना है कि वह वेनेजुएला में छिपी हुई हैं और पुरस्कार लेने के लिए 10 दिसंबर को ओस्लो जाना चाहती हैं। साब ने कहा, कई आपराधिक जांचें चलने के बाद वेनेजुएला से बाहर जाने पर उन्हें भगोड़ा माना जाएगा।एजी ने कहा कि कैरेबियन में सैन्य तैनाती के लिए अमेरिका की मदद करने के मामले में भी मचाडो के खिलाफ जांच चल रही है। खास बात है कि मचाडो ने सैन्य मौजूदगी का स्वागत किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर, युद्धपोत और लड़ाकू विमानों को तैयार किया है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के आरोप हैं कि इसके जरिए उनकी सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है।

अक्तूबर में मचाडो ने कहा था कि वेनेजुएला की जनता की संप्रभु इच्छा को सम्मान दिलाने के लिए हम दृढ़ संकल्पित हैं और इस समय संघर्ष में हमारे मुख्य सहयोगी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं।

नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिडनेस ने मारिया की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रहीं मारिया को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहराई तक विभाजित विपक्ष को एकजुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत के रूप में सराहा गया है। फ्रिडनेस ने कहा, मारिया पिछले एक साल से छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं। जान को गंभीर खतरे के बावजूद वह देश में ही हैं और इस फैसले ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। मारिया को राष्ट्रपति चुनाव में मादुरो के खिलाफ लड़ना था, लेकिन सरकार ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। इसके बाद मारिया के करीबी एडमंडो गोंजालेज को राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर उतारा गया। यह उनके जीवन का पहला चुनाव था। चुनावी प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर दमन देखा गया, जिसमें विरोधी उम्मीदवारों को अयोग्य ठहराया जाना, उनकी गिरफ्तारी और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन शामिल था।

ज्यादा मुंह चलाते हैं, उनकी भाषा पसंद नहीं

जोहान्सबर्ग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 21 नवंबर से लेकर 23 नवंबर तक जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर निकल गए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हो रहे 20वें जी-20 शिखर सम्मेलन से अमेरिका ने दूरी बना ली है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने साफ कहा कि अमेरिका दक्षिण अफ्रीका में चल रहे त्र20 शिखर सम्मेलन की आधिकारिक बैठकों और वार्ताओं में हिस्सा नहीं ले रहा है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा पर अमेरिका और राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के खिलाफ नेगेटिव बात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन को यह भाषा बिल्कुल पसंद नहीं है।

व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी ने यह भी साफ किया कि साउथ अफ्रीका में यूएसके राजदूत बस यह मानने के लिए वहां हैं कि अगला जी20 सम्मेलन (2026) अमेरिका में होगा, न कि किसी

औपचारिक चर्चा में शामिल होने के लिए। लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, मैंने आज सुबह साउथ अफ्रीका के प्रेसिडेंट को यूएस और यूएस प्रेसिडेंट के खिलाफ थोड़ा बोलते हुए देखा, और प्रेसिडेंट या उनकी टीम को यह भाषा पसंद नहीं आई। उन्होंने

कहा कि अमेरिकी राजदूत ऑफिशियल बातचीत में हिस्सा लेने के लिए वहां नहीं हैं, भले ही साउथ अफ्रीका के प्रेसिडेंट झूठा दावा कर रहे हों।

व्हाइट हाउस को बनाया स्टेडियम! डिनर के बाद क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ ट्रंप का एआई वीडियो वायरल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ डिनर करने के कुछ दिनों बाद एक एआई -जनरेटेड वीडियो शेयर किया है। वीडियो में ट्रंप क्रिस्टियानो के साथ फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं।

एआई जनरेटेड वीडियो में ट्रंप व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ कीप-अप, हेडर और ड्रिबल करते नजर आ रहे हैं।

वीडयो पोस्ट करने के दौरान कैप्शन में ट्रंप ने लिखा - रोनाल्डो एक महान व्यक्ति हैं। व्हाइट हाउस में उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। वाकई स्मार्ट और शानदार। ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस के अंदर

पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी के साथ फुटबॉल खेलते हुए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार वीडियो पोस्ट किया। दोनों को ओवल ऑफिस में किक मारते हुए देखा जा सकता है, जबकि ट्रंप गेंद को रोकने के लिए अपनी एड़ियों पर घूमते हैं और फिर उसे दर्शक की ओर मारते हैं।

खबर लिखे जाने तक 44 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है और दो मिलियन से अधिक लाइक आ चुके हैं। इस पर सोशल मीडिया यूजर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं भी दे रहे हैं। वहीं कुछ यूजर मजाक भी उड़ा रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, जिस तरह से मैं ट्रम्प को गेंद को सिर से मारने के लिए झुकते हुए देखता हूं, वह इसे और अधिक हास्यास्पद बनाता है, जबकि दूसरे ने कहा, नफरत करने वाले कहेंगे कि यह एआई है। वहीं एक अन्य यूजर ने कहा, भाई, मुझे सचमुच लगा कि यह कोई मीम पेज है। यह अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। हाहा।

गौरतलब है कि ट्रंप और रोनाल्डो की मुलाकात सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सम्मान में व्हाइट हाउस में आयोजित डिनर के दौरान हुई। अपने भाषण में ट्रंप ने रोनाल्डो का जिक्र करते हुए कहा कि उनका सबसे छोटा बेटा बैरन पांच बार बैलन डी और पुरस्कार विजेता रोनाल्डो का बहुत बड़ा प्रशंसक है। उन्होंने रोनाल्डो को अपने किशोर बेटे से भी मिलवाया।

संक्षिप्त समाचार

बाईक चोरी के मामले में दो साल से फरार चोर गिरफ्तार

रायपुर। थाना सिटी कोतवाली पुलिस ने मोटर सायकल चोरी के मामले में पिछले दो साल से फरार चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की बाईक बरामद कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने वर्ष 2023 में जेल रोड से बाईक चोरी की थी। मिली जानाकारी के अनुसार दिनांक 14.11.2023 को प्रार्थी विवेक वर्मा पिता बहादुर वर्मा उम्र 38 साल निवासी तुलसीपुर बख्तावर चाल थाना कोतवाली जिला राजनांदगांव द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 13.11.2023 को जेल रोड पान ठेला के पास राजनांदगांव से आरोपी समीर खान पिता बाबर खान निवासी मिलचाल जिला राजनांदगांव द्वारा इसकी मोटर सायकल सुपर स्प्लेण्डर कमांक सीजी 08 ए टी 7152 किमती 30,000 रूपये को चोरी कर ले जाना बताया कि रिपोर्ट पर आरोपी के खिलॉफ अपराध धारा 379 भादवि कायम कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले में आरोपी पतासाजी हेतु खोजी दल का गठन कर आरोपी समीर खान पिता बाबर खान निवासी मिलचाल राम मंदिर के पास राजनांदगांव छ0ग0 का लगातार पतासाजी किया जा रहा था।

जिले में सुचारू एवं सुगमतापूर्वक चल रही धान खरीदी

रायपुर। प्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य में धान खरीदी की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश तथा कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में सभी उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसान उत्साह के साथ खरीदी केंद्र पहुंचकर अपना धान विक्रय कर रहे हैं। अपना धान बेचने आए अभनपुर ब्लॉक के ग्राम केन्द्री निवासी किसान श्यामलाल साहू ने बताया कि उनके खेतों में अच्छी उपज हुई है और वे सुगमता से अपना धान बेच पा रहे हैं। श्री साहू ने 80 क्विंटल 80 किलोग्राम धान विक्रय किया। उन्होंने अपना टोकन ऑफ्लाइन प्राप्त किया और अगले दिन धान लेकर केंद्र पहुंचे। उन्होंने कहा कि केंद्र में सभी व्यवस्थाएँ बहुत अच्छी हैं और उन्होंने सुगमता से अपनी उपज का विक्रय किया। उन्होंने मुख्यमंत्री जी का आभार भी प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशानुसार धान खरीदी को त्योहार की तरह मनाते हुए ज़िले में किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदा जा रहा है।

दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी पकड़ाया

रायपुर। जिले की थाना बसंतपुर पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में विगत 6 माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पीड़िता को अपने घर खाना बनाने के लिए बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया दिनांक 01.03.2025 को शिकायत आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज करायी कि घटना दिनांक 22.09.2022 को आरोपी विजय यादव इसे अपने घर दीनदयाल कॉलोनी में खाना बनाने के लिए बुलाकर इसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया तथा किसी को बताने पर जान से खतम करने की धमकी दिया तथा पीडिता व उसके परिवार को जादू टोना कर मरवा देने की धमकी देकर पीडिता के साथ अलग-अलग स्थानो पर ले जाकर इसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध स्थापित किया है तथा पीडिता के बगैर जानकारी के विडियों बनाकर टेलीग्राम में भेजा है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया लोकार्पण

सूरजपुर में मीठा शक्ति आहार एवं पौष्टिक दलिया निर्माण संयंत्र शुरू

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने की दिशा में एक और कदम
- मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में महिलाओं आजीविका का नया अवसर

रायपुर/ संवाददाता

महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के मामले में एक और उपलब्धि छत्तीसगढ़ ने आज दर्ज की है। सूरजपुर जिले में एक नए पूरक पोषण आहार निर्माण संयंत्र की शुरूआत हुई है। यह सयंत्र सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के दरीपारा में आकांक्षा स्व सहायता समूह द्वारा संचालित होगा। इस संयंत्र का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया और महिला समूहों से जुड़ी सदस्य महिलाओं को इस के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। सूरजपुर जिले के दरीपारा में शुरू हुए इस पूरक पोषण आहार निर्माण संयंत्र से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य में पूरक पोषण निर्माण में महिला स्व-सहायता समूहों की सहभागिता की गारंटी को पूरा करने की दिशा में एक और कदम है। यहां यह उल्लेखनीय है कि राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा मोदी जी के गारंटी को पूरा करने के लिए पूरक पोषण आहार निर्माण की सर्वप्रथम जवाबदारी महिला समूहों को रायगढ़ जिले में सौंपी गई थी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी की मौजूदगी 17 अगस्त 2025 को कोतरलिया में सर्वप्रथम पूरक पोषण आहार निर्माण संयंत्र का शुभारंभ हुआ था। इसके पश्चात बस्तर और दंतेवाड़ा में पूरक पोषण आहार निर्माण संयंत्र के संचालन की जिम्मेदारी महिला समूहों को सौंप दी गई है। सूरजपुर के दरीपारा में शुरू हुआ यह चौथा पूरक पोषण आहार है। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सूरजपुर के दरीपारा में शुरू हुए इस आधुनिक संयंत्र से मीठा शक्ति आहार

एवं नमकीन पौष्टिक दलिया का उत्पादन होगा, जिसका उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और पोषक पूरक आहार उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था प्रधानमंत्री मोदी की कुपोषण मुक्त भारत की प्रतिबद्धता और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के पोषण युक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को पूरा करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि दरीपारा में शुरू हुए इस संयंत्र के माध्यम से भैयाथान परियोजना के अंतर्गत आने वाले 366 आंगनबाड़ी केंद्रों को नियमित रूप से मीठा शक्ति आहार एवं पौष्टिक दलिया उपलब्ध कराया जाएगा। इससे बच्चों के पोषण स्तर में सुधार होगा, आपूर्ति व्यवस्था सुव्यवस्थित होगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार महिला समूहों के विस्तार, प्रशिक्षण और तकनीकी सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग देगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्री अखिलेश प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष श्री राजीव प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष श्री सुनील साहू, एसडीएम श्रीमती चांदनी कंवर, तहसीलदार श्री शिवनारायण राठिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। यहां यह उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा पूरक पोषण आहार उत्पादन का दायित्व पुनः महिला स्व सहायता समूहों को सौंपे जाने के लिए प्रथम चरण में राज्य के 6 जिले चयनित किए गए हैं, जिसमें रायगढ़, कोरबा, बलौदाबाजार, बस्तर, दंतेवाड़ा और सूरजपुर शामिल हैं। 4 जिलों में पूरक पोषण आहार संयंत्र का शुभारंभ हो चुका है। जल्द ही बलौदाबाजार और कोरबा में भी पूरक पोषण आहार निर्माण संयंत्र शुरू होगा। इससे महिला समूहों के लिए नए रोजगार और आजीविका अर्जन का नया अवसर मिलेगा।

ऑटो गेरेज में लगी आग कार जलकर हुई स्वाहा...

रायपुर। जिले के दर्री क्षेत्र स्थित अयोध्यापुरी-कटघोरा मुख्य मार्ग पर एक बड़ा हादसा टल गया। एक ऑटो गैरेज में चल रही कार की मरम्मत के दौरान अचानक आग लग गई। पेट्रोल लीकेज की वजह से कार में आग भडक उठी। हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँची और आग पर काबू पाया। टीम ने गैरेज संचालक को फायर सेफ्टी के उचित इंतजाम करने की कड़ी समझाइश भी दी। कोरबा जिले के दर्री अयोध्या पुरी-कटघोरा मुख्य मार्ग पर स्थित एक ऑटो गैरेज में मरम्मत के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गैरेज में एक कार की रिपेयरिंग की जा रही थी। इसी दौरान वाहन से पेट्रोल का रिसाव हो रहा था, जिसके संपर्क में किसी चिंगारी के आते ही कार में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि थोड़ी ही देर में कार धू-धू कर जलने लगी। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुँची और आग को नियंत्रित किया। इस दौरान किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। फायर ब्रिगेड टीम ने गैरेज के संचालक को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि इतने वर्षों से गैरेज संचालन के बावजूद यहाँ आग बुझाने के किसी भी प्रकार के उपकरण नहीं लगाए गए हैं। इसे उन्होंने गंभीर लापरवाही बताया और भविष्य में फायर सेफ्टी नियमों का पालन करने की हिदायत दी।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस भाजपा ने लगाया गया शिविर

- राजधानी में 4 विधानसभा क्षेत्र में बटा, जिससे मतदाता हो रहे परेशान

रायपुर। संवाददाता

राजधानी में एसआईआर को लेकर इस समय भाजपा और कांग्रेस दोनों द्वारा मतदाताओं की सुविधाओं के लिए शिविर लगाए जा रहे है, ताकि मतदाताओं की समस्या हल हो सके। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज दिल्ली से लौट आए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे से मुलाकात की एवं महामंत्री केसी रेणु गोपाल को वस्तु स्थिति की जानकारी दी है। रायपुर शहर में

एसआईआर को लेकर भ्रमपूर्ण स्थिति हो गई है। रायपुर शहर में पहले दो विधानसभा क्षेत्र थे जो अब 4 हो गए है, जिसके चलते अब अलग-अलग वार्डों में शिविर लगाए जा रहे हैं। पश्चिम क्षेत्र के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि आज करबला तालाब के पास एक शिविर का आयोजन किया गया। वहीं चौबे कॉलोनी के हनुमान मंदिर के पास गार्डन में शिविर का आयोजन किया गया। सीईओ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्रों के वितरण, संकलन एवं डिजिटाइजेशन का कार्य तीव्र गति से जारी है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 4 नवम्बर 2025 से प्रारंभ इस अभियान के तहत अब तक प्रदेश के लगभग 99 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं तक गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर पहुँचकर गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संकलन की प्रक्रिया लगातार प्रगति पर है। साथ ही, संकलित गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य भी सतत रूप से जारी है।

प्रकृति, वन्यजीवन और कला का अद्भुत संगम है अचानकमार टाइगर रिज़र्व

- वन मंत्री ने अचानकमार टाइगर रिज़र्व का किया भ्रमण

रायपुर/ संवाददाता

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज बिलासपुर जिले में स्थित देश के प्रमुख संरक्षित क्षेत्र अचानकमार टाइगर रिज़र्व का भ्रमण किया। यह क्षेत्र अपनी घनी हरियाली, स्वच्छ जलधाराओं और समृद्ध वन्यजीवन के कारण प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा अनुभव प्रदान करता है। वन मंत्री श्री कश्यप ने जंगल के भीतर विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और वहाँ की जैव-विविधता, वन संरक्षण कार्यों तथा वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि अचानकमार टाइगर रिज़र्व छत्तीसगढ़ की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है, जहाँ वन विभाग द्वारा संरक्षण एवं संवर्धन कार्य लगातार प्रभावी रूप से किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को भी जागरूक किया जाए, ताकि वन क्षेत्र की सुरक्षा और मजबूत हो सके। राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित गोंड चित्रकला कलाकार सुश्री रागिनी ध्रुव ने वन मंत्री से सौहार्दपूर्ण भेंट की। उन्होंने अपनी विशिष्ट गोंड कला शैली में बनाई गई एक सुंदर पेंटिंग मंत्री श्री कश्यप को समर्पित की। वन मंत्री ने इस सम्मान के लिए कलाकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला हमारी सांस्कृतिक पहचान है और इसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान प्राप्त है। मंत्री श्री कश्यप ने आगे कहा कि प्राकृतिक संपदा और सांस्कृतिक विरासत दोनों ही राज्य की ताकत हैं। इनका संरक्षण और प्रोत्साहन शासन की प्राथमिकता है। अचानकमार टाइगर रिज़र्व के अधिकारियों ने मंत्री को वन क्षेत्र में की जा रही योजनाओं, वन्यजीवों की सुरक्षा व्यवस्था, ईको-टूरिज्म गतिविधियों और समुदाय आधारित संरक्षण कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की। भ्रमण के दौरान का पूरा कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायक रहा, जिसमें प्रकृति की सुंदरता, वन संरक्षण और जनजातीय कला तीनों का मनमोहक संगम देखने को मिला।

14दिसंबर से 17 दिसंबर तक होगा विधानसभा का शीतकालीन सत्र

रायपुर। संवाददाता

विधानसभा में आज 25 वर्ष की संसदीय यात्रा पर एक दिवसीय विशेष चर्चा हुई। जिसमें पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चन्द्राकर ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी ने पृथक छत्तीसगढ़ बनाया। प्रदेशवासी इसके लिए सदैव कृतज्ञ रहेंगे। प्रदेश का दुर्भाग्य है कि छत्तीसगढ़ की परिकल्पना करने वाले पं. सुंदरलाल शर्मा, छेदीलाल बैरिस्टर एवं प्यारेलाल ठाकुर, हरि ठाकुर जैसे महान विभूतियों को भुला दिया गया जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। विधानसभा में आज विशेष एकदिवसीय सत्र में पहले

विधानसभा के पूर्व सदस्य श्रीमती रजनी ताई उपासने, पूर्व उपाध्यक्ष बनवारी लाल अग्रवाल एवं पूर्व सदस्य राधेश्याम शुक्ला के निधन पर रामविचार नेताम, अजय चन्द्राकर एवं रमन सिंह सहित अन्य सदस्यों ने शोक व्यक्त किया। इसके पश्चात विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। आज विधानसभा की दर्शकदीर्घा में पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा रविन्द्र चौबे भी उपस्थित थे। जिनका विधिवत रमन सिंह ने परिचय सदस्यों से कराया। विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश के बाद भाजपा के पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की यात्रा आजादी के पहले शुरू हुई थी। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ के निवासी ने इसकी कल्पना की थी। देश आजाद हुआ इसके पश्चात सीपी एवं बरार इसके पश्चात सन 1955 में रामकृष्ण ने यह आवाज उठाई। नए मध्यप्रदेश का निर्माण होने के पश्चात पृथक छत्तीसगढ़ का नारा राजनीतिक लाभ के लिए किया गया। नाखुन काटकर शहीद होने की परंपरा का पालन किया गया।

सूने मकान में चोरी करने वाला चोर पकड़ाया गया

रायपुर। जिले की सरकंडा थाना पुलिस ने अमृतुल्य चाय दुकान संचालक के मकान से नगदी रकम चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके कब्जे से चोरी किये रकम मे से 1500रूपये बरामद किया है। बता दें कि गणेश यादव पिता अर्जून यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम बरेला थाना तखतपुर बिलासपुर हा.मु. हनु ट्रेडर्स नूतन चौक सरकण्डा का रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 15.11.2025 के सुबह करीब 07.30 बजे अपने किराये के मकान में ताला लगाकर चाय दुकान चला गया था, सुबह करीब 11.30 बजे नहाने के लिए वापस अपने मकान पर आया तो देखा कि रूम का बाहर का दरवाजा का ताला टूटा हुआ था अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त व्यस्त बिखरा पड़ा हुआ था, बैग का चैन खुला था जिसे देखा तो बैग में रखे नगदी रकम 40000रू. नहीं था, आसपास पता तलाश करने पर कोई भी नहीं दिखा, कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा बैग में रखे नगदी रकम 40000 रूपये को चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण की विवेचना दौरान अज्ञात आरोपी की पतासाजी किया जा रहा था कि आज दिनांक 19.11.2025 को मुखबीर से सूचना मिला कि एक लड़का संदिग्ध रूप से घूम रहा है और अनाप-शनाप पैसे खर्च कर अमीरी दिखा रहा है। सूचना पर उक्त संदिग्ध व्यक्ति के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह को अवगत कराया गया जिनके द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किये।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की सराहना

समर्थन मूल्य पर पारदर्शी धान खरीदी से खिल उठे किसान गुलसेर के चेहरे

रायपुर/ संवाददाता

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के केल्हारी क्षेत्र में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ किसानों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। शासन की किसान-केंद्रित नीतियों, पारदर्शी व्यवस्था और सुविधा-संपन्न उपार्जन केंद्रों ने किसानों के मन में भरोसा जगाया है। उन्हीं किसानों में से एक हैं केल्हारी निवासी किसान गुलसेर, जिन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष की धान खरीदी प्रक्रिया ने वास्तव में उनके जीवन में सकारात्मक प्रभाव डाला है। किसान गुलसेर आज 40 क्विंटल धान लेकर धान उपार्जन केंद्र पहुँचे। उन्होंने बताया कि मंडी में प्रवेश करने से लेकर तौल-कांटा तक की पूरी प्रक्रिया बेहद सुव्यवस्थित रही। बारदाना की उपलब्धता पर्याप्त रही, जिससे किसी भी तरह की भागदौड़ नहीं करनी पड़ी। तौल प्रक्रिया भी पहले की तुलना में तेज और सटीक रही, जिससे समय की बचत हुई। वे बताते हैं कि मंडी में पेयजल की उचित व्यवस्था, प्रतीक्षारत किसानों के लिए छाया और बैठने की सुविधाएँ, तथा कर्मचारियों का सहयोगपूर्ण व्यवहार किसानों की सुविधा को और बढ़ाता है। गुलसेर ने स्वीकार किया कि इस वर्ष उन्हें किसी भी चरण में असुविधा या भ्रम की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। गुलसेर ने समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी को किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने वाला कदम बताया। उन्होंने 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य को किसान हित में बेहद महत्वपूर्ण निर्णय कहा। उनके अनुसार, इस दर ने किसान परिवारों के आय में स्थिरता और भरोसा पैदा किया है। सरकार ने किसानों के मेहनत का सही मूल्य सुनिश्चित किया है। इस बार समर्थन मूल्य ने हम सभी को उत्साहित किया है, गुलसेर ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा। इस वर्ष टोकन प्रणाली ने किसानों की परेशानी काफी हद तक कम की है। गुलसेर का टोकन समय पर कट गया, जिससे न तो प्रतीक्षा करनी पड़ी और न ही विक्रय प्रक्रिया में कोई विलंब हुआ। पारदर्शिता से भरी इस व्यवस्था ने किसानों में विश्वास पैदा किया है कि उनकी बारी और अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि पहले कई बार टोकन प्राप्त करने और समय पर कटने में समस्याएँ आ जाती थीं, जिससे मंडी पहुँचने के बाद

भी घंटों इंतजार करना पड़ता था। परंतु इस बार ऑनलाइन व्यवस्था और अनुशासित कार्यप्रणाली ने इस समस्या का समाधान किया है। किसान गुलसेर ने उच्च स्तर पर की गई व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों के लिए जो नीतियां और सुविधाए लागू की जा रही हैं, वे न केवल वर्तमान फसल सीजन बल्कि किसानों के भविष्य को भी अधिक सुरक्षित और उज्ज्वल बना रही हैं। मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से हमें यह अनुभव हुआ कि सरकार सचमुच किसानों के साथ खड़ी है। केल्हारी उपार्जन केंद्र में केवल गुलसेर ही नहीं बल्कि अनेक किसानों ने बताया कि इस वर्ष की धान खरीदी व्यवस्था ने मंडी का माहौल सकारात्मक कर दिया है। सुविधाओं के विस्तार, समय पर भुगतान की उम्मीद और समर्थन मूल्य जैसी पहल ने किसानों में यह विश्वास जगाया है कि उनकी मेहनत और फसल का सम्मान किया जा रहा है।

महासमुंद जिले में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार

राज्य शासन के मंशानुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत कृषक उन्नति योजना के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी बिना किसी रुकावट के तेजी से जारी है। जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का आज 7वां दिन हैं। जिले के 130 समितियों के 182 उपार्जन केन्द्रों में से 123 केन्द्रों में आज दिनांक तक एक लाख 44 हजार 506.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में जिन केन्द्रों में धान खरीदी की शुरुआत नहीं हुई है लगभग उन सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों से निर्बाध रूप से धान खरीदने की पूरी तैयारी की गई है। महासमुंद जिले में किसान उत्साह से धान खरीदी केंद्रों में धान लेकर पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में आज प्राथमिक सहकारी समिति बेमचा में धान बेचने आए कृषक श्री प्रहलाद चंद्राकर एवं श्री देवेन्द्र साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में किसानों के हित में उठाए गए कदमों से हमें भरोसा मिल रहा है

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस

प्रस्तावना

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा मानवता के इतिहास में एक गहरा और दुखद अध्याय है जो आज भी विश्व के विभिन्न कोनों में जारी है। इस गंभीर समस्या के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और इसके उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने प्रत्येक वर्ष 25 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यह दिवस न केवल महिलाओं के अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है, बल्कि यह समाज में लैंगिक समानता और न्याय की स्थापना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस की स्थापना की कहानी बेहद मार्मिक और प्रेरणादायक है। यह दिवस तीन साहसी बहनों – पाट्रिया, मिनर्वा और मारिया टेरेसा मिराबल की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्हें डोमिनिकन गणराज्य के तानाशाह राफेल ट्रुजिलो के आदेश पर 25 नवंबर 1960 को क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। ये बहनें अपने देश में तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जानी जाती थीं और उन्हें लास मारिपोसास यानी तितलियों के नाम से पुकारा जाता था। उनकी हत्या ने पूरे लैटिन अमेरिका में एक क्रांतिकारी लहर पैदा की और महिला अधिकारों के आंदोलन को नई दिशा दी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1999 को एक प्रस्ताव पारित करके 25 नवंबर को औपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मान्यता दी। इस निर्णय के पीछे लैटिन अमेरिकी महिला आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका थी, जिन्होंने 1981 से ही इस तारीख को याद करना शुरू कर दिया था। इस दिवस के माध्यम से विश्व समुदाय ने यह स्वीकार किया कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा एक वैश्विक महामारी है जिसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की परिभाषा और स्वरूप

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को संयुक्त राष्ट्र ने एक व्यापक परिभाषा में समाहित किया है। इसके अनुसार, लिंग आधारित हिंसा से तात्पर्य ऐसे किसी भी शारीरिक, यौन या मनोवैज्ञानिक नुकसान से है जो महिलाओं को केवल उनके स्त्री होने के कारण झेलना पड़ता है। यह हिंसा विभिन्न रूपों में प्रकट होती है और जीवन के हर क्षेत्र में व्याप्त है। घरेलू हिंसा इसका सबसे सामान्य रूप है, जिसमें पति या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा महिलाओं के साथ मारपीट, गाली-गलौज, आर्थिक शोषण और भावनात्मक उत्पीड़न शामिल है।

यौन हिंसा और बलात्कार महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के सबसे क्रूर और घृणित रूप हैं। युद्ध और संघर्ष के समय में महिलाओं का यौन शोषण एक हथियार के रूप में उपयोग किया जाता है, जो न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामूहिक आघात का कारण बनता है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न भी एक गंभीर समस्या है जो महिलाओं के पेशेवर विकास में बाधा बनती है और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाती है। दहेज हत्या, सम्मान हत्या, बाल विवाह, महिला भ्रूण हत्या और अम्ल हमले जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं भी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के विविध रूपों को दर्शाती हैं।

मानव तस्करी और यौन व्यापार में जबरन शामिल करना महिलाओं के विरुद्ध एक संगठित अपराध है जो विश्वव्यापी स्तर पर फैला हुआ है। साइबर हिंसा, ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल माध्यमों से धमकाना तकनीकी युग में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के नए आयाम हैं। ये सभी रूप महिलाओं की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा को खतरे में डालते हैं और उनके मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन करते हैं।

वैश्विक परिदृश्य और सांख्यिकी

विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र के अध्ययनों से प्राप्त आंकड़े महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। वैश्विक स्तर पर लगभग एक तिहाई महिलाएं अपने जीवनकाल में किसी न किसी रूप में शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करती हैं। यह संख्या केवल रिपोर्ट किए गए मामलों की है, जबकि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है क्योंकि अधिकांश मामले सामाजिक कलंक, भय और न्याय प्रणाली में विश्वास की कमी के कारण रिपोर्ट नहीं किए जाते।

विकासशील देशों में स्थिति और भी चिंताजनक है जहां महिलाओं के अधिकारों की जागरूकता कम है और पितृसत्तात्मक मूल्य गहराई से जड़ें जमाए हुए हैं। दक्षिण एशिया में घरेलू हिंसा की दर विशेष रूप से उच्च है और कई देशों में महिलाओं को बुनियादी कानूनी संरक्षण भी उपलब्ध नहीं है। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में महिला जननांग विकृति जैसी हानिकारक परंपराएं अभी भी प्रचलित हैं। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में महिलाओं की स्थिति और भी दयनीय है जहां उन्हें व्यवस्थित रूप से निशाना बनाया जाता है।

विकसित देशों में भी महिलाओं के विरुद्ध हिंसा एक गंभीर समस्या बनी हुई है। यूरोप और उत्तरी अमेरिका में घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के मामले नियमित रूप से सामने आते हैं। हालांकि इन देशों में कानूनी ढांचा मजबूत है, फिर भी सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाएं महिलाओं को न्याय पाने से रोकती हैं। आर्थिक रूप से स्वतंत्र और शिक्षित महिलाएं भी हिंसा से अछूती नहीं हैं, जो यह दर्शाता है कि यह समस्या केवल गरीबी या अशिक्षा तक सीमित नहीं है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य

भारत में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा एक जटिल और बहुआयामी समस्या है जो सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों से प्रभावित है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिदिन महिलाओं के विरुद्ध हजारों अपराध दर्ज किए जाते हैं। दिल्ली गैंगरेप कांड जैसी घटनाओं ने देश में महिला सुरक्षा के मुद्दे को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया और कड़े कानूनों की मांग को जन्म दिया।

भारतीय समाज में गहराई से जड़ें जमाए पितृसत्तात्मक मूल्य महिलाओं को द्वितीयक नागरिक की स्थिति में रखते हैं। बेटियों को बोझ समझने की मानसिकता, दहेज प्रथा, और विवाह को महिला के जीवन का एकमात्र उद्देश्य मानने की सोच हिंसा के लिए अनुकूल वातावरण बनाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी गंभीर है जहां शिक्षा की कमी, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक अलगाव महिलाओं को हिंसा से बचने में असमर्थ बनाते हैं।

भारत सरकार ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से निपटने के लिए कई कानून बनाए हैं। घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005, यौन उत्पीड़न से महिलाओं का कार्यस्थल पर संरक्षण अधिनियम 2013, और बलात्कार व यौन अपराधों के लिए कठोर सजा के प्रावधान इनमें प्रमुख हैं। हालांकि कानून बनाना और उनका प्रभावी कार्यान्वयन दो अलग चीजें हैं। न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति, पुलिस की असंवेदनशीलता, और साक्ष्य संग्रहण में कमियां न्याय प्राप्ति में बाधा बनती हैं।

महिला हिंसा के कारण और जड़ें

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के कारण गहरे और जटिल हैं जो सामाजिक संरचना के विभिन्न स्तरों में फैले हुए हैं। पितृसत्तात्मक व्यवस्था जो पुरुषों को सत्ता और नियंत्रण का अधिकार देती है, इस हिंसा की मूल जड़ है। समाज में लिंग आधारित भेदभाव बचपन से ही शुरू हो जाता है जब बेटों को बेटियों से अधिक महत्व दिया जाता है। यह असमानता शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य सेवा और अवसरों में प्रकट होती है। आर्थिक निर्भरता महिलाओं को हिंसक स्थितियों में फंसाए रखने का एक प्रमुख कारण है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं होती हैं तो वे हिंसक संबंधों को छोड़ने में असमर्थ होती हैं। संपत्ति और विरासत में महिलाओं के अधिकारों की कमी भी उन्हें कमजोर बनाती है। सामाजिक मानदंड और परंपराएं जो महिलाओं से समर्पण, बलिदान और चुप रहने की अपेक्षा करती हैं, हिंसा को सामान्यीकृत करती हैं। शिक्षा की कमी न केवल महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति अनभिज्ञ बनाती है बल्कि समाज में लैंगिक समानता की समझ भी विकसित नहीं होने देती। धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं की गलत व्याख्या भी महिलाओं के अधीनीकरण को न्यायोचित ठहराने के लिए उपयोग की जाती है। मादक पदार्थों का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और तनाव भी व्यक्तिगत स्तर पर हिंसा के कारक बन सकते हैं। मीडिया में महिलाओं का वस्तुकरण और हिंसा का सामान्यीकरण भी सामाजिक दृष्टिकोण को प्रभावित करता है।

महिला हिंसा के प्रभाव

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के प्रभाव व्यापक और दीर्घकालिक होते हैं जो न केवल पीड़ित महिला बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को प्रभावित करते हैं। शारीरिक हिंसा से चोटें, विकलांगता और कभी-कभी मृत्यु तक हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के साथ हिंसा गर्भपात, समय से पहले प्रसव और भ्रूण को नुकसान का कारण बन सकती है। यौन हिंसा के परिणामस्वरूप यौन संचारित रोग, अवांछित गर्भधारण और प्रजनन स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव अक्सर शारीरिक प्रभावों से भी अधिक गहरे और लंबे समय तक चलने वाले होते हैं। पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, अवसाद, चिंता, आत्मसम्मान में कमी, आत्मघाती विचार और नींद संबंधी विकार हिंसा के सामान्य मनोवैज्ञानिक परिणाम हैं। बच्चों पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है जो घरेलू हिंसा देखते या सुनते हैं। वे भावनात्मक और व्यवहारात्मक समस्याओं का सामना करते हैं और वयस्क होने पर हिंसक संबंधों में शामिल होने की अधिक संभावना रखते हैं।

आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हिंसा महिलाओं की उत्पादकता को कम करती है, उनकी काम करने की क्षमता को प्रभावित करती है और चिकित्सा व्यय बढ़ाती है। राष्ट्रीय स्तर पर, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आर्थिक विकास में बाधा बनती है क्योंकि यह आधी जनसंख्या की क्षमता को सीमित करती है। सामाजिक प्रभावों में सामाजिक संबंधों का टूटना, अलगाव और समुदाय से अलग होना शामिल है। हिंसा का अंतरपीढ़ीगत संचरण भी होता है जो हिंसा के चक्र को जारी रखता है।

वैश्विक प्रयास और पहल

संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के लिए व्यापक रणनीति विकसित की है। यूएन वूमेन नामक संगठन विशेष रूप से लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य संख्या पांच लैंगिक समानता को प्राप्त करने और सभी महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने पर केंद्रित है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस से शुरू होकर 10 दिसंबर मानवाधिकार दिवस तक सोलह दिनों का सक्रियता अभियान चलाया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता दी है और इसके निवारण के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने कार्यस्थल पर हिंसा और उत्पीड़न के खिलाफ कन्वेंशन अपनाया है। यूरोपीय संघ ने महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम के लिए इस्तांबुल कन्वेंशन जैसे क्षेत्रीय समझौते विकसित किए हैं। अफ्रीकी संघ ने भी अफ्रीका में महिलाओं के अधिकारों पर मापुटो प्रोटोकॉल अपनाया है।

विभिन्न देशों ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कुछ देशों ने विशेष महिला अदालतें स्थापित की हैं, त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए हैं और पीड़ितों के लिए समर्थन सेवाएं विकसित की हैं। कई देशों में राष्ट्रीय हेल्पलाइन और संकट केंद्र स्थापित किए गए हैं। शिक्षा प्रणाली में लैंगिक समानता और सम्मानजनक संबंधों पर पाठ्यक्रम शामिल किए जा रहे हैं। मीडिया अभियान और सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम भी व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे हैं।

नागरिक समाज और सामाजिक आंदोलन

महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये संगठन न केवल पीड़ित महिलाओं को तात्कालिक सहायता प्रदान करते हैं बल्कि नीति निर्माण में भी योगदान देते हैं। महिला आश्रय गृह, परामर्श सेवाएं, कानूनी सहायता और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना इनकी प्रमुख गतिविधियां हैं। ये संगठन जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाने, समुदाय को संगठित करने और महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करते हैं।

मी टू आंदोलन ने विश्वभर में यौन उत्पीड़न के मुद्दे को सार्वजनिक चर्चा में ला दिया और लाखों महिलाओं को अपने अनुभव साझा करने का साहस दिया। इस आंदोलन ने यह दिखाया कि यौन उत्पीड़न कितना व्यापक है और कैसे शक्तिशाली पुरुष भी जवाबदेह हो सकते हैं। वन बिलियन राइजिंग अभियान ने दुनिया भर में लाखों लोगों को सड़कों पर लाया और सामूहिक प्रतिरोध का प्रदर्शन किया। भारत में गुलाबी गैंग जैसे संगठनों ने महिलाओं को आत्मरक्षा सिखाकर और उन्हें एकजुट करके सशक्त बनाया है।

युवा पीढ़ी भी सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से इस मुद्दे पर आवाज उठा रही है। ऑनलाइन अभियान, याचिकाएं और डिजिटल सक्रियता ने व्यापक जन समर्थन जुटाने में मदद की है। पुरुष भी तेजी से इस आंदोलन का हिस्सा बन रहे हैं और पितृसत्तात्मक मानसिकता को चुनौती दे रहे हैं। कलाकार, लेखक, फिल्मकार और सेलिब्रिटी भी अपने मंच का उपयोग करके इस मुद्दे पर जागरूकता फैला रहे हैं।

शिक्षा और जागरूकता की भूमिका

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन में शिक्षा सबसे शक्तिशाली उपकरण है। लैंगिक समानता की शिक्षा बचपन से ही शुरू होनी चाहिए जब बच्चों में सामाजिक मूल्यों का निर्माण होता है। स्कूली पाठ्यक्रम में सम्मान, सहमति, समानता और स्वस्थ संबंधों के बारे में शिक्षा शामिल होनी चाहिए। लड़कों को विशेष रूप से यह सिखाना महत्वपूर्ण है कि पुरुषत्व हिंसा या प्रभुत्व में नहीं बल्कि सम्मान और सहानुभूति में निहित है। महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध संसाधनों और सहायता प्रणालियों के बारे में जानकारी होना आवश्यक है। आर्थिक साक्षरता और वित्तीय स्वतंत्रता की शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती है। व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम महिलाओं को आर्थिक अवसर प्रदान करते हैं। समुदाय स्तर पर जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक, फिल्म प्रदर्शन और सार्वजनिक सभाएं प्रभावी तरीके हैं। मीडिया की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सामाजिक धारणाओं को आकार देता है। महिलाओं के सकारात्मक और सशक्त चित्रण, हिंसा के प्रति संवेदनशील रिपोर्टिंग और रूढ़िवादिता को तोड़ना आवश्यक है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को भी ऑनलाइन हिंसा और उत्पीड़न को रोकने के लिए सख्त नीतियां लागू करनी चाहिए। धार्मिक और सामुदायिक नेताओं को भी आगे आकर लैंगिक समानता और महिलाओं के सम्मान का संदेश देना चाहिए क्योंकि उनकी आवाज समुदाय में गहरा प्रभाव रखती है।

कानूनी ढांचा और न्याय प्रणाली

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से निपटने के लिए मजबूत कानूनी ढांचा आवश्यक है लेकिन यह केवल कागजों पर नहीं बल्कि व्यवहार में प्रभावी होना चाहिए। भारत में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराएं महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को परिभाषित करती हैं और दंड का प्रावधान करती हैं। धारा 375 और 376 बलात्कार से संबंधित हैं, धारा 498ए पति और ससुराल वालों द्वारा क्रूरता से संबंधित है, और धारा 354 महिलाओं की लज्जा भंग करने से संबंधित है। घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 ने महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण के लिए नागरिक उपचार प्रदान किए हैं।

हालांकि कानूनों का प्रभावी कार्यान्वयन एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। पुलिस स्टेशनों में महिलाओं के साथ असंवेदनशील व्यवहार, एफआईआर दर्ज करने में अनिच्छा, और पीड़ित को दोष देने की प्रवृत्ति न्याय पाने में बाधा बनती है। न्यायिक प्रक्रिया की लंबी और जटिल प्रकृति पीड़ितों को निराश करती है। साक्ष्य संग्रहण, चिकित्सा परीक्षण और गवाहों की गोपनीयता जैसे मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। महिला पुलिस अधिकारियों की संख्या बढ़ाना, संवेदनशीलता प्रशिक्षण देना और महिला सहायता डेस्क स्थापित करना कुछ सुधारात्मक कदम हैं।

फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना से मामलों के त्वरित निपटान में मदद मिली है लेकिन इनकी संख्या अपर्याप्त है। पीड़ित मुआवजा योजनाएं महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं लेकिन इनके बारे में जागरूकता कम है। कानूनी सहायता सेवाएं गरीब और हाशिए पर रहने वाली महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। गवाह संरक्षण कार्यक्रम भी आवश्यक हैं ताकि गवाह धमकी या दबाव में आकर अपनी गवाही न बदलें। न्यायाधीशों और वकीलों के लिए भी लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण आवश्यक है ताकि वे महिलाओं के मामलों को उचित गंभीरता से लें।

आर्थिक सशक्तिकरण और स्वतंत्रता

आर्थिक सशक्तिकरण महिलाओं को हिंसक स्थितियों से मुक्त होने की क्षमता प्रदान करता है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती हैं तो वे अपने और अपने बच्चों के लिए निर्णय ले सकती हैं। रोजगार के अवसर, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और उद्यमिता विकास योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हैं। सरकारी योजनाएं जैसे मुद्रा ऋण, स्वयं सहायता समूह और कौशल विकास कार्यक्रम महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। संपत्ति और विरासत में महिलाओं के अधिकार उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। हालांकि कानूनी रूप से महिलाओं को समान अधिकार हैं, व्यवहार में अक्सर उन्हें उनके हिस्से से वंचित रखा जाता है। भूमि और संपत्ति के स्वामित्व की जागरूकता और इन अधिकारों का दावा करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच, वित्तीय साक्षरता और बचत की आदत विकसित करना भी आर्थिक सशक्तिकरण के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

कार्यस्थल पर समान वेतन, सुरक्षित कार्य वातावरण और उत्पीड़न मुक्त माहौल सुनिश्चित करना आवश्यक है। मातृत्व लाभ, बाल देखभाल सुविधाएं और लचीले काम के घंटे महिलाओं को पेशेवर और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संतुलित करने में मदद करते हैं। महिला उद्यमियों के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम, सब्सिडी और बाजार तक पहुंच उन्हें व्यवसाय शुरू करने और विकसित करने में सहायता करती है। डिजिटल साक्षरता भी आधुनिक अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य सेवाएं और मनोवैज्ञानिक सहायता

हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं आवश्यक हैं। तत्काल चिकित्सा सहायता, फोरेंसिक परीक्षण, यौन संचारित रोगों की रोकथाम और आपातकालीन गर्भनिरोधक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल होना चाहिए। वन स्टॉप क्राइसिस सेंटर जहां चिकित्सा, कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध हो, अत्यंत प्रभावी साबित हुए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को हिंसा के संकेतों को पहचानने और उचित रेफरल देने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

मनोवैज्ञानिक परामर्श और ट्रॉमा थेरेपी हिंसा के मानसिक प्रभावों से उबरने के लिए महत्वपूर्ण हैं। दीर्घकालिक परामर्श सेवाएं, सहायता समूह और पीयर काउंसलिंग महिलाओं को भावनात्मक सहायता प्रदान करती हैं। बच्चों के लिए भी जो घरेलू हिंसा के गवाह बनते हैं, विशेष परामर्श सेवाएं आवश्यक हैं। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को स्वास्थ्य प्रणाली में एकीकृत करना और इन सेवाओं से जुड़े कलंक को दूर करना जरूरी है।

टेलीमेडिसिन और ऑनलाइन परामर्श सेवाएं दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकती हैं। हेल्पलाइन सेवाएं जो चौबीसों घंटे उपलब्ध हों और जहां प्रशिक्षित परामर्शदाता तत्काल सहायता प्रदान कर सकें, महत्वपूर्ण हैं। महिला आश्रय गृहों में भी चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सेवाएं उपलब्ध होनी चाहिए। पुनर्वास कार्यक्रम जो महिलाओं को समाज में पुन: एकीकृत होने में मदद करें, दीर्घकालिक स्थायित्व के लिए आवश्यक हैं।

पुरुषों और लड़कों की भागीदारी

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन में पुरुषों और लड़कों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं बल्कि एक सामाजिक समस्या है। पुरुषों को हिंसा के विरुद्ध खड़े होने, हानिकारक मर्दानगी के मानदंडों को चुनौती देने और लैंगिक समानता के पक्षधर बनने की आवश्यकता है। लड़कों को बचपन से ही सम्मान, सहमति और समानता के मूल्य सिखाए जाने चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि भावनाओं को व्यक्त करना कमजोरी नहीं है और हिंसा शक्ति का प्रदर्शन नहीं है।

पुरुषों के लिए विशेष कार्यक्रम जो उन्हें सकारात्मक पुरुषत्व के बारे में शिक्षित करें, प्रभावी साबित हुए हैं। ऐसे कार्यक्रम जो पिता को बच्चों की परवरिश में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करें, घरेलू कार्यों में साझेदारी को बढ़ावा दें और संबंधों में समानता स्थापित करें, सामाजिक परिवर्तन लाने में सहायक हैं। खेल, मनोरंजन और लोकप्रिय संस्कृति के माध्यम से पुरुष रोल मॉडल जो लैंगिक समानता का समर्थन करें, युवा पीढ़ी को प्रभावित कर सकते हैं। कार्यस्थलों में पुरुष सहयोगियों को यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए और सुरक्षित वातावरण बनाने में योगदान देना चाहिए। धार्मिक और सामुदायिक नेताओं को भी पुरुषों को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित करना चाहिए। हिंसा करने वाले पुरुषों के लिए पुनर्वास और परामर्श कार्यक्रम भी आवश्यक हैं ताकि वे अपने व्यवहार को बदल सकें। दोस्तों और साथियों के बीच हिंसक या अपमानजनक व्यवहार को चुनौती देना और रोकना भी महत्वपूर्ण है।

तकनीकी नवाचार और डिजिटल समाधान

आधुनिक तकनीक महिलाओं के विरुद्ध हिंसा से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मोबाइल एप्लिकेशन जो आपातकालीन सहायता के लिए तुरंत संपर्क कर सकें, स्थान ट्रैकिंग प्रदान करें और विश्वसनीय संपर्कों को अलर्ट भेज सकें, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाते हैं। भारत में निर्भया ऐप और अन्य सुरक्षा ऐप इसी दिशा में कदम हैं। ऑनलाइन परामर्श प्लेटफार्म, हेल्पलाइन चैटबॉट और वर्चुअल सपोर्ट ग्रुप महिलाओं को गोपनीय सहायता प्रदान करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग जागरूकता अभियान चलाने, कहानियां साझा करने और सामूहिक कार्रवाई को संगठित करने के लिए किया जा रहा है। हालांकि साइबर हिंसा, ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल निगरानी नई चुनौतियां हैं जिनसे निपटने के लिए मजबूत नीतियां और तकनीकी समाधान आवश्यक हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हिंसा के पैटर्न की पहचान करने, उच्च जोखिम वाली स्थितियों का पूर्वानुमान लगाने और प्रारंभिक हस्तक्षेप में किया जा सकता है। डेटा एनालिटिक्स और बिग डेटा हिंसा के रुझानों को समझने, प्रभावी नीतियां बनाने और संसाधनों को प्राथमिकता के आधार पर आवंटित करने में मदद कर सकते हैं। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षित और गोपनीय रिकॉर्ड रखने में उपयोगी हो सकती है। वेयरेबल डिवाइस जो आपातकालीन स्थिति में स्वचालित रूप से अलर्ट भेज सकें, व्यक्तिगत सुरक्षा बढ़ा सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफार्म दूरदराज के क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों को सशक्तिकरण और अधिकारों की शिक्षा प्रदान कर सकते हैं।

सांस्कृतिक परिवर्तन और सामाजिक मानदंड

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के लिए गहरा सांस्कृतिक परिवर्तन आवश्यक है। हानिकारक सामाजिक मानदंडों और परंपराओं को चुनौती देना और बदलना एक दीर्घकालिक लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। लिंग आधारित रूढ़िवादिता जो लड़कियों को कमजोर और आश्रित मानती है और लड़कों को आक्रामक और प्रभुत्वशाली बनने के लिए प्रोत्साहित करती है, को जड़ से बदलने की आवश्यकता है। परिवार, स्कूल और समुदाय सभी स्तरों पर यह परिवर्तन शुरू होना चाहिए।

विवाह और परिवार के बारे में धारणाओं में बदलाव लाना आवश्यक है। विवाह को साझेदारी और समानता पर आधारित संबंध के रूप में देखा जाना चाहिए न कि पितृसत्तात्मक संरचना के रूप में। घरेलू कार्यों और देखभाल की जिम्मेदारियों को साझा करना सामान्य होना चाहिए। लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता देना और उनके करियर का समर्थन करना परिवारों की जिम्मेदारी होनी चाहिए। दहेज, बाल विवाह और अन्य हानिकारक प्रथाओं के विरुद्ध सामुदायिक प्रतिबद्धता आवश्यक है।

मीडिया और मनोरंजन उद्योग को महिलाओं के सकारात्मक और विविध चित्रण प्रस्तुत करने चाहिए। महिला पात्रों को केवल पारंपरिक भूमिकाओं में नहीं बल्कि नेतृत्व, विज्ञान, खेल और अन्य क्षेत्रों में दिखाया जाना चाहिए। हिंसा को रोमांटिक या सामान्य बनाने वाली सामग्री को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। विज्ञापन और मार्केटिंग में लैंगिक रूढ़िवादिता का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। कला, साहित्य और संगीत के माध्यम से लैंगिक समानता के संदेश को बढ़ावा दिया जा सकता है।

चुनौतियां और बाधाएं

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के मार्ग में अनेक चुनौतियां हैं। गहरी जड़ें जमाई पितृसत्तात्मक मानसिकता जो पीढ़ियों से चली आ रही है, आसानी से नहीं बदलती। सामाजिक और सांस्कृतिक मानदंड जो महिलाओं की अधीनता को स्वीकार करते हैं, बदलाव का विरोध करते हैं। आर्थिक असमानता और गरीबी महिलाओं को हिंसक स्थितियों में फंसाए रखती है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और नीतियों के कमजोर कार्यान्वयन भी प्रगति में बाधा बनते हैं।

कानूनी प्रणाली की जटिलता, न्याय में देरी और पीड़ित-दोषी दृष्टिकोण महिलाओं को न्याय पाने से रोकते हैं। संसाधनों की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, सेवाओं की उपलब्धता को सीमित करती है। प्रशिक्षित कर्मियों, आश्रय गृहों और परामर्श सेवाओं की कमी भी एक बड़ी चुनौती है। सामाजिक कलंक और शर्म महिलाओं को हिंसा की रिपोर्ट करने और सहायता मांगने से रोकते हैं। परिवार और समुदाय का दबाव भी महिलाओं को चुप रहने के लिए मजबूर करता है।

डिजिटल युग में साइबर हिंसा और ऑनलाइन उत्पीड़न नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रहे हैं जिनके लिए विशेष नीतियां और समाधान आवश्यक हैं। वैश्वीकरण और प्रवासन ने मानव तस्करी की समस्या को जटिल बना दिया है। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा एक विशेष चुनौती है। डेटा संग्रहण की कमी और अल्प रिपोर्टिंग समस्या की वास्तविक सीमा को समझने में बाधा बनती है।

भविष्य की दिशा और समाधान

महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है। रोकथाम पर जोर देना सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंसा को रोकना उसके बाद प्रतिक्रिया करने से बेहतर है। प्रारंभिक शिक्षा, सामुदायिक जागरूकता और सामाजिक मानदंडों में परिवर्तन रोकथाम रणनीतियों के मूल हैं। शून्य सहनशीलता की नीति अपनाना और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। पीड़ितों के लिए व्यापक सहायता सेवाएं जो चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक सहायता प्रदान करें, स्थापित करनी होंगी।

सरकार, नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच समन्वय और सहयोग आवश्यक है। क्रॉस-सेक्टोरल दृष्टिकोण जो स्वास्थ्य, शिक्षा, न्याय और सामाजिक कल्याण को एकीकृत करे, अधिक प्रभावी होगा। डेटा-आधारित नीति निर्माण और साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेप संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद करेंगे। नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग पहुंच, दक्षता और प्रभाव बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

शाम के समय तेल में ये चीजें डालकर जलाएं दीपक नहीं रुकेगी घर की बरकत

हिन्दू धर्म में दीपक जलाना शुभ माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि पूजा-पाठ के दौरान दीपक जलाने से देवों की उपस्थिति उस स्थान पर होती है और उस जगह दिव्य ऊर्जा का संचार होने लगता है। इसी कारण से शास्त्रों में सुबह और शाम दीया प्रज्वलित करने का विधान है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में ऐसा माना गया है कि संध्याकाल के समय जलाया गया दीपक ज्यादा प्रभावशाली होता है प्रातःकाल के समय जलाए गए दीपक के मुकाबले। ऐसे में अगर शाम के समय जलने वाले दीपक के तेल में कुछ चीजें मिलाकर उसे प्रज्वलित किया जाए तो इससे कई लाभ मिल सकते हैं।

तेल में तिल मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

तिल का संबंध पितरों और शनिदेव से माना गया है। ऐसे में शाम के समय तेल में तिल मिलाकर दीपक जलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं। पितरों का आशीर्वाद मिलता है और शनि देव की कृपा भी बनी रहती है।

तेल में कपूर मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

कपूर का संबंध शुक्र ग्रह से है। ऐसे में शाम के समय तेल में कपूर मिलाकर जलाने से कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होते हैं। शुक्र के शुभ प्रभाव से व्यक्ति को सौभाग्य, सुंदरता, संपन्नता की प्राप्ति होती है।

तेल में लौंग मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

लौंग का संबंध राहु और केतु से माना गया है। अगर रोजाना शाम के समय तेल में लौंग डालकर दीपक जलाया जाए तो इससे राहु का दुष्प्रभाव कम होता है और राहु-केतु की शुभता कुंडली में बढ़ती है।

तेल में तेजपत्ता मिलाकर जलाएं शाम के समय दीपक

तेजपत्ते का संबंध मां लक्ष्मी और कुबेर देव से माना गया है। ऐसे में शाम के समय तेल में तेजपत्ते का चूरा मिलकर दीपक जलाया जाए तो इससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और तधन लाभ होता है।

आखिर क्यों यात्रा से पहले दिशा शूल के बारे में जानना होता है जरूरी

शास्त्रों में किसी भी बात के कुछ विशेष नियम बनाए गए हैं और इनमें से एक नियम है यात्रा करने का। ऐसा माना जाता है कि अगर आप यात्रा ज्योतिष की कुछ बातों और नियमों के अनुसार करते हैं तो सफलता मिलती है।

किसी भी यात्रा की योजना बनाते समय हम कई बातों के बारे में विचार करते हैं। जैसे कि बजट से लेकर जगह तक और वाहन से लेकर सही मौसम तक। दरअसल, इन सभी जरूरी बातों के साथ ज्योतिष में भी एक बात है, जिसका आपको ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। वह बात है किसी भी दिशा की तरफ जाने से पहले दिशा शूल की जानकारी होना।

आपने कई बार घर के बड़े-बुजुर्गों के मुंह से ये बात जरूर सुनी होगी कि किसी विशेष दिन पर किसी निश्चित दिशा में जाने से बचना चाहिए, अन्यथा आपके काम पूरे नहीं होंगे और समस्याएं आ सकती हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यात्रा के समय सही दिशा का चयन करना भी बेहद महत्वपूर्ण है।

इसे दिशा शूल के रूप में जाना जाता है। दिशा शूल की अवधारणा प्राचीन काल से चली आ रही है और यह मान्यता है कि यदि यात्रा के लिए गलत दिशा का चयन किया जाए, तो यह आपके लिए असुविधा होने के साथ कार्य में बाधाओं की वजह बन सकती है। इस बात को विस्तार से जानने के लिए हमने ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से बात की। आइए जानें, इसके बारे में विस्तार से।

किसी ज्योतिष एक्सपर्ट की सलाह भी ले सकते हैं। ऐसा करने से आपकी यात्रा सफल होती है और आपको यात्रा के शुभ फल भी मिलते हैं।

दिशा शूल क्या होता है

- दिशा शूल एक ज्योतिषीय अवधारणा है, जिसके अनुसार हर दिन एक विशेष दिशा में यात्रा करना शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि हर दिन के लिए एक निश्चित दिशा निर्धारित होती है, जिसमें आपको यात्रा करने से बचना चाहिए।
- यह दिशा आपके लिए शूल यानी कि कोई बाधा उत्पन्न कर सकती है। दिशा शूल से बचने के लिए सही दिशा चुनने के लिए आप

कौन सी दिशा किस दिन यात्रा के लिए अशुभ मानी जाती है

- अगर हम ज्योतिष की बात करें तो प्रत्येक दिन के लिए अलग-अलग दिशाएं अशुभ मानी जाती हैं। दिशा शूल की गणना के अनुसार, नीचे बताई गई दिशाएं किसी भी यात्रा के लिए अशुभ मानी जाती हैं।
- सोमवार और शनिवार-इस दिन पूर्व दिशा की तरफ यात्रा पर जाने से बचना चाहिए।
- मंगलवार-इस दिन आपको उत्तर दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए।
- बुधवार-बुधवार को पश्चिम दिशा में यात्रा करना शुभ नहीं माना जाता है।
- गुरुवार-गुरुवार के दिन आपको दक्षिण दिशा में यात्रा करने से बचना चाहिए।
- शुक्रवार-इस दिन पश्चिम दिशा में यात्रा करने से आपको धन हानि हो सकती है।
- रविवार-इस दिन आपको उत्तर दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। इस दिशा में यात्रा से नुकसान हो सकता है।

दिशा शूल का क्या महत्व है

- दिशा शूल की अवधारणा का आधार ज्योतिष गणनाओं और ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होता है। यह माना जाता है कि कुछ दिन और दिशाएं हमारे ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति के अनुसार प्रतिकूल हो सकती हैं। इसकी वजह से यात्रा में बाधाएं, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, धन हानि या अन्य समस्याएं शुरू हो सकती हैं।
- दिशा शूल का ध्यान रखने से यात्रा के दौरान समस्याओं से बचा जा सकता है।
- गलत दिशा में यात्रा करने से स्वास्थ्य समस्याएं और आर्थिक हानि हो सकती है। ज्योतिष के अनुसार, गलत दिशा में यात्रा करने से जीवन में अनचाही चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।
- सही दिशा में यात्रा करने से मानसिक शांति और सफलता प्राप्त होती है। व्यक्ति बिना किसी बाधा के अपने गंतव्य तक पहुंचता है और यात्रा सुखद होती है।

दिशा शूल का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

दिशा शूल का महत्व केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं है, बल्कि इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक तर्क भी हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीन समय में लोगों के पास यातायात के आधुनिक साधन नहीं थे और यात्रा करने के लिए उन्हें प्राकृतिक संकेतों और मौसम पर निर्भर रहना पड़ता था। कुछ दिशाओं में यात्रा करने से मौसम खराब होने की वजह से उस स्थान पर जाने में कठिनाई हो सकती थी, इसलिए उस जगह जाने से मना किया जाता था। इसके अलावा, ज्योतिष गणनाओं में ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति का भी ध्यान रखा जाता है। कुछ दिन और दिशा में यात्रा करने से आपके ग्रहों की दशा और दिशा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे आपके जीवन में अस्थिरता और कठिनाइयां आ सकती हैं।

दिशा शूल से बचने के उपाय

- अगर आपको किसी वजह से यात्रा करनी पड़े, तो आपको कुछ उपाय आजमाने की सलाह दी जाती है।
- यात्रा शुरू करने से पहले गुड़ का सेवन करना और पानी पीना शुभ माना जाता है। यह दिशा शूल के प्रभाव को कम कर सकता है।
- यात्रा शुरू करने से पहले नींबू और हरी मिर्च को अपने वाहन के आगे लटकाने से दिशा शूल का प्रभाव कम हो सकता है।
- यात्रा से पहले भगवान गणेश की पूजा और यात्रा की सफलता के लिए मंत्र जाप करने से भी दिशा शूल के नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सकता है।
- यदि आपको किसी अशुभ दिशा में यात्रा करनी हो, तो आप रात्रि के समय यात्रा कर सकते हैं।
- यात्रा शुरू करने से पहले गायत्री मंत्र का जाप करना दिशा शूल से बचने का एक प्रभावी उपाय माना जाता है।

गायत्री मंत्र के हर शब्द का है खास अर्थ

सभी हिन्दू शास्त्रों में लिखा है कि मंत्रों का मंत्र महामंत्र है गायत्री मंत्र। यह प्रथम इसलिए कि विश्व की प्रथम पुस्तक ऋग्वेद की शुरुआत ही इस मंत्र से होती है। कहते हैं कि ब्रह्मा ने चार वेदों की रचना के पूर्व 24 अक्षरों के गायत्री मंत्र की रचना की थी। गायत्री मंत्र के हर शब्द का है खास अर्थ आओ जानते हैं।

मंत्र इस प्रकार है - ऊँ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात।

24 अक्षर गायत्री मंत्र

प्रत्येक अक्षर के उच्चारण से एक देवता का आह्वान हो जाता है। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षरों के चौबीस देवता हैं। उनकी चौबीस चैतन्य शक्तियां हैं। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षर 24 शक्ति बीज हैं। गायत्री मंत्र की उपासना करने से उन मंत्र शक्तियों का लाभ और सिद्धियां मिलती हैं।

ऊँ : अ, उ और म। यह तीन अक्षरों से मिलकर बना शब्द ओम है जिसे प्रणव मंत्र भी कहते हैं। ऊँ शब्द तीन ध्वनियों से बना हुआ है- अ, उ, म इन तीनों ध्वनियों का अर्थ उपनिषद में भी आता है। भूः लोक, भुवः लोक और स्वर्ग लोक का प्रतीक है। ऊँ को ओम कहा जाता है। उसमें भी बोलते वक्त 'ओ' पर ज्यादा जोर होता है। इस मंत्र का प्रारंभ है अंत नहीं। यह ब्रह्मांड की अनाहत ध्वनि है।

भुर्भुवः स्वः : भू अर्थात धरती भुर्वः अर्थात अंतरिक्ष और स्वः अर्थात स्वर्गलोक।

तत्सविदुर्वरेण्यं : त : परमात्मा अथवा ब्रह्म, सवितुः : ईश्वर अथवा सृष्टि कर्ता, वरेण्यम अर्थात पूजनीय।

भर्गो : अज्ञान तथा पाप निवारक।

देवस्य : ज्ञान स्वरुप भगवान का।

धीमहि धियो : हम ध्यान करते हैं बुद्धि प्रज्ञा का।

योनः : जो : हमें।

प्रचोदयात : प्रकाशित करें।

- पृथ्वीलोक, भुवर्लोक और स्वर्लोक में व्याप्त उस सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के तेज का हम ध्यान करते हैं, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करे।
- उस प्राणस्वरूप, दुःखनाशक, सुखस्वरूप, श्रेष्ठ, तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अंतःकरण में धारण करें। वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग में प्रेरित करे।
- ऊँ : सर्वरक्षक परमात्मा, भू : प्राणों से प्यारा, भुव : दुख विनाशक, स्व : सुखस्वरूप है, तत : उस, सवितु : उत्पादक, प्रकाशक, प्रेरक, वरेण्य : वरने योग्य, भर्गो : शुद्ध विज्ञान स्वरूप का, देवस्य : देव के, धीमहि : हम ध्यान करें, धियो : बुद्धि को, यो : जो, न : हमारी, प्रचोदयात : शुभ कार्यों में प्रेरित करें।

सत्यनारायण की कथा क्यों की जाती है

सत्यनारायण व्रत कथा स्कन्दपुराण के रेवाखण्ड से संकलित की गई है। भगवान विष्णु के सत्य स्वरूप की कथा ही सत्यनारायण व्रत कथा है। यह कथा अक्सर पूर्णिमा के दिन, बृहस्पतिवार या किसी पर्व विशेष के दिन परिवार में आयोजित की जाती है। हर घर में सत्यनारायण की कथा का आयोजन होता है। आखिर यह सत्यनारायण की कथा का आयोजन क्यों होता है, क्या है इसका महत्व, मंत्र और पूजा विधि।

क्यों की जाती है सत्यनारायण की कथा

सत्यनारायण व्रत कथा के दो भाग हैं- व्रत-पूजा तथा कथा का श्रवण या पाठ। इस कथा के दो प्रमुख विषय हैं- संकल्प को भूलना और प्रसाद का अपमान करना। इस कथा का तिरस्कार करने या मजाक उड़ाने से व्यक्ति के जीवन में संकटों की शुरुआत हो जाती है। इसीलिए सत्यनारायण की कथा की जाती है।

व्रत और पूजा

विधिवत रूप से व्रत रखने और कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के सभी तरह के संकट दूर हो जाते हैं। सत्यनारायण भगवान की पूजा में खासकर केले के पत्ते, नारियल, पंचफल, पंचामृत, पंचगव्य, सुपारी, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, तुलसी की आवश्यकता होती। इन्हें प्रसाद के रूप में फल, मिष्ठान और पंजरी अर्पित की जाती है। मंत्र- 'ऊँ श्री सत्यनारायणाय नमः' का 108 बार जाप करें।

कथा श्रवण का महत्व

सत्य को नारायण के रूप में पूजना और नारायण को ही सत्य मानना यही सत्यनारायण है। सत्य में ही सारा जगत समाया हुआ है बाकी सब माया है। सत्यनारायण की कथा सुनने से व्यक्ति के जीवन के संकट मिट जाते हैं और वह सुख, समृद्धि एवं संतति को प्राप्त करना है। इस कथा को कहने सुनने से निश्चित ही मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। सत्यनारायण कथा कराने से हजारों साल तक किए गए यज्ञ के बराबर फल मिलता है। साथ ही सत्यनारायण कथा सुनने को भी सौभाग्य की बात माना गया है।

व्रत-पूजन कैसे करें

इसके बाद नारद जी ने भगवान श्रीहरि विष्णु से व्रत विधि बताने का अनुरोध किया। तब भगवान श्रीहरि विष्णु जी बोले- सत्यनारायण व्रत करने के लिए व्यक्ति को दिन भर उपवास रखना चाहिए। श्री सत्यनारायण व्रत पूजनकर्ता को स्नान करके कोरे अथवा धुले हुए शुद्ध वस्त्र पहनें। माथे पर तिलक लगाएं और शुभ मुहूर्त में पूजन शुरू करें। इस हेतु शुभ आसन पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुंह करके सत्यनारायण भगवान का पूजन करें। इसके पश्चात सत्यनारायण व्रत कथा का वाचन अथवा श्रवण करें। संध्याकाल में किसी प्रकांड पंडित को बुलाकर सत्य नारायण की कथा श्रवण करवाना चाहिए। भगवान को भोग में चरणामृत, पान, तिल, मोली, रोली, कुमकुम, फल, फूल, पंचगव्य, सुपारी, दूर्वा आदि अर्पित करें। इससे सत्यनारायण देव प्रसन्न होते हैं। सत्यनारायण व्रत पूर्णिमा के दिन करने का विशेष महत्व है, क्योंकि पूर्णिमा सत्यनारायण का प्रिय दिन है, इस दिन चंद्रमा पूर्ण कलाओं के साथ उदित होता है और पूर्ण चंद्र को अर्घ्य देने से व्यक्ति के जीवन में पूर्णता आती है। पूर्णिमा के चंद्रमा को जल से अर्घ्य देना चाहिए। घर का वातावरण शुद्ध करके चौकी पर कलश रखकर भगवान श्री विष्णु की मूर्ति या सत्यनारायण की फोटो रख कर पूजन करें। परिवारजनों को एकत्रित करके भजन, कीर्तन, नृत्य गान आदि करें। सबके साथ प्रसाद ग्रहण करें, तदोपरांत चंद्रमा को अर्घ्य दें। यही सत्यनारायण भगवान की कृपा पाने का मृत्यु लोक में सरल उपाय है।

पूल किनारे ब्लैक बिकिनी में जेनिफर विंगेट ने दिखाया कातिलाना अंदाज

जेनिफर विंगेट काफी लंबे वक्त से छोटे पर्दे से गायब हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अपने पोस्ट के जरिए फैंस को एंटरटेन करती रहती हैं।जेनिफर विंगेट ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें ब्लैक बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं।

ब्लैक बिकिनी में जेनिफर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के सिजलिंग लुक को देख फैंस फिदा होते दिख रहे हैं।जेनिफर ने ब्लैक बिकिनी पहन पूल किनारे एक से बढकर एक कातिलाना पोज दिया है। उनका स्टनिंग अंदाज किसी को भी दीवाना बनाने के लिए काफी है।जेनिफर ने अपने इस लुक से सर्दी में भी इंटरनेट पर गर्मी बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की ये तस्वीरें जमकर वायरल हो रही है।जेनिफर विंगेट बेहद ही फिटनेस फ्रीक हैं, इसका अंदाजा उनकी इन तस्वीरों को देख लगा सकते हैं।

13 साल की उम्र में 43 साल के शख्स से सरोज खान ने रचाई थी शादी

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान ने बॉलीवुड की हर बड़ी अभिनेत्री को अपने डांस मूव्स पर नचवाया है। अपने चार दशक लंबे करियर में उन्होंने करीब 350 फिल्मों के तीन हजार से भी ज्यादा गाने कोरियोग्राफ किए थे। 22 नवंबर को सरोज खान की बर्थ एनिवर्सरी है।

सरोज खान का असली नाम निर्मला नागपाल था। सरोज के पिता का नाम किशनचंद सद्धू सिंह और मां का नाम नोनी सद्धू सिंह है। विभाजन के बाद सरोज खान का परिवार पाकिस्तान से भारत आ गया था। 50 के दशक में सरोज ने बतौर बैकग्राउंड डांसर काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कोरियोग्राफर बी. सोहनलाल के साथ ट्रेनिंग ली थी। इसी दौरान उनके बीच प्यार हुआ और सिर्फ 13 साल की उम्र में सरोज ने 43 साल के बी. सोहनलाल से शादी कर ली थी। दोनों की उम्र में 30 साल का फासला था। सरोज ने इसके साथ ही इस्लाम धर्म भी कबूल किया था। सोहनलाल की ये दूसरी शादी थी। पहली शादी से उनके चार बच्चे थे। सरोज खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मैं उन दिनों स्कूल में पढ़ती थी तभी एक दिन मेरे डांस मास्टर सोहनलाल ने गले में काला धागा बांध दिया था और मेरे शादी हो गई थी।

विजय सालगांवकर बनकर लौट रहे अजय देवगन

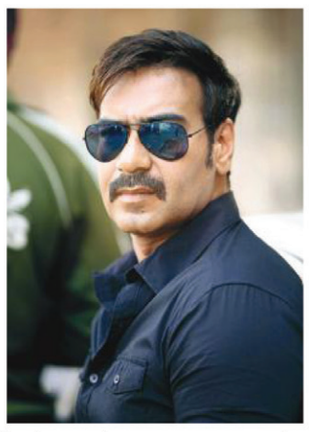

इसी साल मई के महीने में खबर आई थी कि अजय देवगन और डायरेक्टर अभिषेक पाठक की अगली फिल्म 2 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि,फिल्म का नाम नहीं बताया गया था। पर ऐसा कहा जा रहा था कि वो फिल्म 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी की अगली किश्त 'दृश्यम 3' होने वाली है। तब से ही अजय के फैंस इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड चल रहे हैं। अब 'दृश्यम 3' पर एक नया अपेडट सामने आया है।

दरअसल,क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम' के दोनों पार्ट में अजय देवगन विजय सालगांवकर के रोल में नजर आए। इस रोल में लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया,अब वो एक बार फिर से इस रोल में दिखेंगे। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की एक रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है।

मुंबई में होगी पहले शेड्यूल की शूटिंग

मेकर्स प्री-प्रोडक्शन का काम कर रहे हैं,ऐसी प्लानिंग है कि 12 दिसंबर से शूटिंग का काम शुरू हो जाएगा। पहले शेड्यूल की शूटिंग मुंबई में ही YRF स्टूडियो में होगी। 'दृश्यम' अजय देवगन की एक पॉपुलर फिल्म फ्रेंचाइजी है। पिछले दोनों पार्ट को लोगों ने काफी पसंद किया था। लोग अब ये जानने के लिए एक्साइटेड हैं कि आगे विजय सालगांवकर और उसकी फैमिली के साथ क्या होगा। हालांकि, तीसरे पार्ट में कहानी किस ओर आगे बढ़ेगी इसको लेकर अभी कोई भी जानकारी नहीं है। पिछले पार्ट में जिस तरह के ट्विस्ट देखने को मिले थे उसके हिसाब से तीसरे पार्ट से ऑडियंस को काफी उम्मीदें हैं।

पिछले दोनों पार्ट ने कितनी कमाई की थी?

'दृश्यम' का पहला पार्ट साल 2015 में आया था. 48 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 110.40 करोड़ रुपये की कमाई की थी. दूसरा पार्ट साल 2022 में आया था. फिल्म को बनाने में मेकर्स ने 50 करोड़ रुपये खर्च किए थे. दुनियाभर से इस फिल्म ने अपने नाम 342.31 करोड़ रुपये किए थे. दोनों पार्ट को अभिषेक पाठक ने ही डायरेक्ट किया था।

'120 बहादुर' की बॉक्स ऑफिस पर बड़ी छलांग

फरहान अख्तर की नवीनतम एक्शन-वार ड्रामा '120 बहादुर' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़ ने बनाया है। फिल्म में 120 बहादुर भारतीय सैनिकों की रिजांग ला की लड़ाई में 3,000 चीनी सैनिकों के खिलाफ अपनी पोस्ट की रक्षा की कहानी को दिखाया गया है।

'120 बहादुर' को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों और क्रिटिक्स का असच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म ने पहले दिन 2.4 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे दिन फिल्म फिल्म के कलेक्शन में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है, खासकर बड़े सर्किट्स में सुबह के शो में देखने को मिली मजबूत दर्शक उपस्थिति के कारण। दूसरे दिन के सुबह के शो ने बेहद शानदार प्रदर्शन किया, जहां कई सेंटरों में लगभग हाउसफुल ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई। शहरी मल्टीप्लेक्सों के साथ-साथ मास बेल्ट्स ने भी इस बढ़त में बराबर योगदान दिया, जो वॉर-एक्शन शैली की किसी फिल्म के लिए काफ़ी उत्साहजनक संकेत है। दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन डबल हो गया है। '120 बहादुर' 13 कुमाऊँ रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों की अविश्वसनीय वीरता को जीवंत करती है, जिन्होंने 1962 के युद्ध के दौरान प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई में अटूट साहस के साथ मोर्चा संभाला। फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह भाटी, पीवीसी, की भूमिका निभा रहे हैं—वह निडर नेता जिन्होंने अपने सैनिकों के साथ मिलकर भारत के सैन्य इतिहास के सबसे वीर अध्यायों में से एक में भारी चुनौतियों के बीच साहसिक रूप से डटे रहे।

एक ही कार में नजर आए पलक तिवारी-इब्राहिम अली खान

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान इन दिनों इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल हाल ही में पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान D'Yavol After Dark इवेंट में पहुंचे थे,जहां दोनों ने ही अपने लुक्स से सबका ध्यान खींचा,लेकिन असली चर्चा तब शुरू हुई जब इवेंट के बाद दोनों एक ही कार में बैठते हुए कैमरे में कैद हो गए। जैसे ही उनकी ये झलक सामने आई, सोशल मीडिया पर सवालों की बाढ़ आ गई। फैंस ने कमेंट करना शुरू कर दिया, पलक तिवारी को हाल ही में D'Yavol After Dark इवेंट में देखा गया, जहां उन्होंने अपने लुक से सभी का ध्यान खींचा उन्होंने ब्लैक टॉप और स्कर्ट पहनी थी जिसमें वो बेहद खूबसूरत दिख रही थी .वहीं सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान को भी इवेंट में देखा गया,उनके लुक की बाते करें तो उन्होंने डेनिम और ब्लैक टी शर्ट के जैकेट कैरी की थी, जिनसे वो बेहद हैंडसम और स्मार्ट दिखाई दे रहे थे। इसी दौरान दोनों के इवेंट में बाद एक ही कार में देखा गया, जिसने सबका ध्यान खींचा।

'तू मेरी मैं तेरा..' का टीजर आया

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे लंबे समय से एक फिल्म को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। फिल्म का नाम है 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी', जिसे 'सत्यप्रेम की कथा' के डायरेक्टर समीर विद्वंस ने डायरेक्ट किया। करण जौहर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। मेकर्स ने एक टीजर वीडियो जारी करके इस फिल्म की एक छोटी सी झलक दिखा दी है।

22 नवंबर को टीजर सामने आया है.ये टीजर 1 मिनट 34 सेकेंड का है,इसकी शुरुआत अंग्रेजी के एक कोट से होती है, जो कुछ इस तरह है- "If you are going to live another week, live the best week of your life." यानी "अगर आप एक और हफ्ता जीने वाले हैं, तो अपने जीवन का सबसे अच्छा हफ्ता जिएं।" उसके बाद कार्तिक आर्यन की एंट्री होती है। कार्तिक कहते हैं, "मलाइका से लेकर मलाला तक, उर्फी से लेकर कमला तक. कोई भी इस मामा बॉय को हाथ से नहीं जाने देगा." उसके बाद अनन्या पांडे की एंट्री होती है और फिर शुरू होती एक नई लव स्टोरी। दोनों की केमिस्ट्री दिखाई जाती है। एक साथ दोनों की जोड़ी काफी जच रही है. हालांकि, ये पहली बार नहीं है जब दोनों एक साथ नजर आने वाले हैं।

दो हफ्ते के लिए रुकी 'ईथा' की शूटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर को लेकर शॉकिंग खबर सामने आई है। वह अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गई है। श्रद्धा जल्द ही बायोपिक ड्रामा 'ईथा' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म मशहूर तमाशा आर्टिस्ट विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है।

खबरों के अनुसार फिल्म के एक गाने की शूटिंग के दौरान श्रद्धा कपूर लावणी परफॉर्म कर रही थीं, तभी उनके पैर में चोट लग गई। लावणी म्यूज़िक में आमतौर पर तेज बीट्स और तेज टेम्पो होता है। अजय-अतुल के बनाए इस गाने में, श्रद्धा ने एक चटक नौवारी साड़ी, भारी ज्वेलरी और कमरपट्टा पहने हुए ढोलकी की धुन पर एक के बाद एक कई स्टेप्स किए। खबरों के अनुसार एक स्टेप में श्रद्धा कपूर ने गलती से अपना सारा वजन अपने बाएं पैर पर डाल दिया, और इस वजह से उसका बैलेंस बिगड़ गया। इससे उनकी पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धा कपूर को चोट लगने के बाद निर्देश लक्ष्मण उतेकर ने फिल्म की शूटिंग रोक दी है। लेकिन श्रद्धा ने क्लोज-अप शूट करने की सलाह दी। मुंबई वापस आने के बाद शूटिंग मड आइलैंड में शुरू हो गई है। जहां पर श्रद्धा ने कुछ इमोशनल सीन्स शूट किए हैं। हालांकि कुछ दिनों बाद श्रद्धा के पैर में दर्द ज्यादा बढ़ गया जिसके बाद शूटिंग रोकनी पड़ी। अब यूनिट दो हफ्ते बाद दोबारा मिलेगी जब श्रद्धा पूरी तरह से ठीक हो जाएंगी। बता दें कि फिल्म 'ईथा' की फिलहाल ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है। फिल्म को लक्ष्मण उतेकर निर्देशित कर रहे हैं। यह फिल्म मशहूर डांसर, एक्टर और तमाशा आर्टिस्ट विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर बन रही है।

एक हादसे के बाद रातोंरात बदल गईं थी इस एक्टर की जिंदगी

बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन के साथ काम करना हर एक्टर का सपना होता है, लेकिन एक एक्टर के लिए यह सपना उनके करियर के लिए बड़ी चुनौती बन गया। इसके चलते उन्हें लंबे समय तक बेरोजगारी का सामना करना पड़ा. इतना ही नहीं उनके साथ से कई बड़ी फिल्में भी निकल गई थीं. हम बात कर रहे हैं एक्टर पुनीत इस्सर की, जिनके करियर पर 1982 में फिल्म 'कुली' के सेट पर हुई एक दुर्घटना ने गहरा असर डाला. यह हादसा उनके फिल्मी सफर में एक बड़ा मोड़ साबित हुआ. इसके बाद उन्हें लंबे समय तक बेरोजगारी का सामना करना पड़ा और उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकल गईं।

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण और फिल्म निर्माता बोयापति श्रीनु की बहुप्रतीक्षित धार्मिक एक्शन फिल्म अखंडा 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अखंडा 2 की टीम ने इसके प्रचार के लिए बड़े स्तर पर और पूरे इंडिया में अभियान चलाया। 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपिचंद अचंता ने फिल्म बनाई है, और एम तेजस्विनी नंदमुरी इसे प्रस्तुत कर रही हैं। पहले से जारी गाने और टीज़र ने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी थी। आज फिल्म का थिएटर ट्रेलर बैंगलोर में रिलीज़ किया गया, जिसमें कन्नड़ स्टार शिव राजकुमार विशेष रूप से मौजूद थे ट्रेलर की शुरुआत एक चेतावनी से होती है। कुछ बुरे लोग, भारत के अंदर और बाहर, देश की आध्यात्मिक नींव को नष्ट करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य

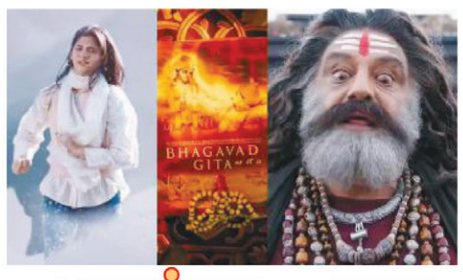

अखंडा 2 का ट्रेलर रिलीज

सनातन हिंदू धर्म को मिटा देना और देश में डर और भ्रम फैलाना है,लेकिन जब श्रद्धा डगमगाने लगती है, तब एक शक्तिशाली ताकत उठती है। वह है अखंडा, जो दिव्य आग की तरह प्रकट होता है और विरोधियों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार होता है।बोयापति श्रीनु इस बार और भी बड़े और बहादुर विज़न के साथ फिल्म बना रहे हैं।

'दबंग 4' को डायरेक्ट करेंगे सलमान खान

बॉलीवुड इंडस्ट्री के फेमस एक्टर अरबाज खान ने हाल ही में सुपरस्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म 'दबंग 4' को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया था। अरबाज खान ने पुष्टि करते हुए बताया कि 'दबंग 4' की स्क्रिप्ट पर काम जारी है। पहले दो पार्ट्स के मुकाबले 'दबंग 3' ऑडियंस को इम्प्रेस करने में नाकाम रही थी।

ऐसे में अब 'दबंग 4' की चर्चा के बाद अब भाईजान के फैन्स भी उन्हें एक बार चुलबुल पांडे के किरदार में बड़े परदे पर देखने के लिए बेताब हैं। इस मूवी को लेकर एक बड़ी खबर भी सामने आई है। बताया जा रहा है कि 'दबंग 4' के माध्यम से सलमान खान निर्देशन की दुनिया में भी कदम रखने वाले हैं। तेलुगु 360 की एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान 'दबंग' फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त का निर्देशन कर सकते हैं। हालांकि सलमान खान फिल्म 'दबंग 4' को डायरेक्ट करने जा रहे हैं, इस बार की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन प्रकाशन का यह भी दावा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है तो 'दबंग 4' सलमान खान के करियर की पहली मूवी होगी, जिसे वो डायरेक्ट करते दिखाई देंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान बीते कई महीनों से इंडिया-चाइना में हुए विवाद पर आधारित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। सलमान खान के अपोजिट मेकर्स ने चित्रांगदा सिंह को लीड रोल के लिए फाइनल किया है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही इस मूवी की शूटिंग को सबसे पहले लेह-लद्दाख में शुरू किया गया था। फिल्म अगले साल जून में रिलीज की जा सकती है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो की सोनू के सुलझ गए सारे मसले

टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोनू का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस पलक सिंधवानी ने अपने सारे विवाद सुलझा लिए हैं। हाल ही में सीरियल के प्रोडक्शन हाउस नीला फिल्म प्रोडक्शंस ने खुद ही इसकी जानकारी दी है। प्रोडक्शन ने इसको लेकर अपना प्रेस रिलीज भी जारी किया है।

जिसमें उन्होंने लिखा, 'नीला फिल्म प्रोडक्शंस यह बताना चाहता है कि कंपनी और पलक सिंधवानी के बीच सभी मामले सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझ गए हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।' नीला फिल्म प्रोडक्शंस ने कई कलाकारों और रचनात्मक प्रतिभाओं को मनोरंजन उद्योग में उनके सफल करियर को आकार देने में मदद करते हुए उन्हें आगे बढ़ाया है। पिछले कुछ वर्षों में, इस शो के किरदार घर-घर में जाने-पहचाने नाम बन गए हैं और देश भर के दर्शकों द्वारा पसंद किए जाते हैं। एक प्रगतिशील और दूरदर्शी प्रोडक्शन हाउस के रूप में, नीला फिल्म प्रोडक्शंस प्रतिभाओं को तराशने और सार्थक, पारिवारिक मनोरंजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम एक निष्पक्ष, पारदर्शी और सहयोगी कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में भी विश्वास करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक कलाकार और टीम का सदस्य सम्मानित और मूल्यवान महसूस करे।

खबर-खास

तरीघाट में मनाया गया मितानिन दिवस, गांव में स्वास्थ्य सेवा का रीड है मितानिन: सरपंच चंद्रिका साहू

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत तरीघाट में आज मितानिन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मितानिनों का सम्मान सरपंच श्रीमती चंद्रिका साहू ने किया। उन्होंने कहा कि गांव में स्वास्थ्य सेवा का रीड है मितानिन बहने। उनके द्वारा किए गए सेवा अनुकरणीय है। इस अवसर पर कुमारी सिन्हा, लता सिंहा, झमित सिन्हा , मितानिन प्रेरक पुष्पा, उपसरपंच प्रकाश गीर गोस्वामी, पंच केशव साहू, वेदराम साहू, चेलाराम सिंहा सहित अन्य मितानिन मौजूद रही।

सांतरा में मितानिन दिवस मनाई गई, सरपंच ने किया मितानिनों का सम्मान

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत सांतरा में रविवार को मितानिन दिवस मनाई गई। इस अवसर कर ग्राम के सरपंच श्रीमती ज्योति गोलू चन्द्राकार ने पंचायत भवन में गांव के सभी मितानिनों का सम्मान किया। इस अवसर पर मितानिन ममता चन्द्राकर, अनुपम चन्द्राकर, निर्मला द्विवेदी, दमयंटीन लहरी, मितानिन प्रेरक सुमन वर्मा का सम्मान सरपंच सरपंच ज्योति गोलू चन्द्राकर द्वारा किया गया।

राशि महिलांग ने डीएसपी पद पर चयनित हर्षवर्धन से मिलकर किया सम्मानित

महासमुंद(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2024 की चयन परीक्षा में उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी पद) पर रैंक ..34 पर . चयनित ईमली भाठा निवासी हर्ष वर्धन शर्मा पिता विनोद शर्मा के चयनित होने पर पूर्व पालिकाध्यक्ष श्रीमती राशि त्रिभुवन महिलांग, पूर्व उपाध्यक्ष त्रिभुवन महिलांग,कांग्रेसी नेता नीरज परोहा एवं अरिश अनवर ने निवास जाकर पुष्प गुच्छ भेंट बधाई व शुभकामनाएं दी। चयनित हर्ष शर्मा ने अपनी इस उपलब्धि के लिए परिवार जनों माता श्रीमती भारती शर्मा (गृहिणी), पिता विनोद शर्मा (पुलिस विभाग) व बहन उत्पला शर्मा (अधिवक्ता) को पूरा श्रेय देते हुए उन सभी को अपना पथ प्रदर्शक बताया।

पूर्व पालिकाध्यक्ष ने परिवार जनों से चर्चा के दौरान इस उपलब्धि को परिवार की नही बल्कि सम्पूर्ण महासमुंद नगर के लिए हर्ष गौरवशाली उपलब्धि बताते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की द्य उक्त मुलाकात में चयनित छात्र के पिता के साथ पुलिस सेवाकाल में उनके बीते सुनहरे मधुर स्मरणों को भी याद किया।

जिला स्तरीय दो दिवसीय बस्तर ओलंपिक सम्पन्न, गीदम ब्लॉक ओवरऑल चैंपियन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिले में पारंपरिक खेलों के संरक्षण और युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 का सफल समापन हुआ। चारों विकासखंडोंगीदम, कटेकल्याण, कुआँकोंडा और दंतेवाड़ा के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गीदम विकासखंड ने ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर जिले के खेल इतिहास में एक और उपलब्धि दर्ज की। समापन अवसर पर आयोजित समारोह में क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप पारंपरिक खेलों को नई पहचान मिल रही है और ग्रामीण युवाओं के लिए यह आयोजन एक बड़ा मंच बनकर उभरा है। विधायक ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जिले के खिलाड़ी अब जिला स्तर से आगे बढ़कर संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे और संभाग में जीतकर दंतेवाड़ा जिले का नाम और अधिक रोशन करेंगे। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेलों से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व गुण विकसित होते हैं और इन्हीं मूल्यों के साथ जिले में खेल संस्कृति लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार, प्रशिक्षण शिविरों की संख्या बढ़ाने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जा रही हैं।

प्रदेश संयोजक के निलंबन से छत्तीसगढ़ शिक्षक साझा मंच नाराज, निलंबन आदेश निरस्त करने की मांग तेज

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विगत दिनों सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों का प्रदेश भर में हड़ताल चल रहा था। विभिन्न मांगों को लेकर सेवा सहकारी समिति के कर्मचारी लगभग माहभर से आंदोलन कर रहे थे। समिति कर्मचारियों के हड़ताल एवं जायज मांगों का छत्तीसगढ़ संयुक्त कर्मचारी मोर्चा एवं छत्तीसगढ़ जागरूक शिक्षक संघ पंजीयन क्रमांक 122202595034 ने समर्थन किया था। हड़ताल के समर्थन में संगठन की ओर से प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष जाकेश साहू व अन्य पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया में बयान जारी किया था।

साथ ही साथ केंद्र एवं राज्य सरकार से मांग की गई थी कि सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों की निलंबन, बर्खास्तगी एवं की गई एफआईआर शून्य करते हुए उनकी मांगों को पूरी की जाए। छत्तीसगढ़ शिक्षक साझा मंच के प्रदेश संयोजक रविंद्र राठौर, केदार जैन, संजय शर्मा, वीरेन्द्र दुबे, विकास राजपूत, कृष्ण कुमार नवरंग, राजनारायण द्विवेदी, लैलूंन भरतद्वाज, विक्रम राय, चेतन बघेल, प्रदीप पांडे, शंकर साहू, कमलदास मूर्चले, भूपेंद्र बनाफर, गिरीश केशकर, प्रीतम कोशले, प्रदीप लहरे, धरमदास बंजारे, राजकिशोर तिवारी, विष्णु साहू, भूपेंद्र गिलहरे एवं अनिल टोप्पो ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड में पदस्थ प्रधान पाठक जाकेश साहू को जिला कलेक्टर जितेंद्र यादव के अनुमोदन पर जिला शिक्षाधिकारी प्रवास कुमार बघेल ने निलंबित किया है। जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ सरारती तत्वों के द्वारा प्रधान पाठक एवं कर्मचारी नेता जाकेश साहू से निजी दुश्मनी भूनाते हुए जिला कलेक्टर राजनांदगांव के पास शिकायत भेजी गई थी एवं यह शिकायत करवाया गया कि सरकार के खिलाफ जाकेश साहू द्वारा वॉट्सअप ग्रुप में चैटिंग की गई है एवं एक सरकारी कर्मचारी होते हुए सरकार की आलोचना की गई।

हिन्दू शताब्दी वर्ष हेतु भंवरपुर में बैठकों का दौर जारी

बसना(समय दर्शन)। हिंदू शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में गृह संपर्क एवम हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम करने के लिए भंवरपुर खंड का बैठक सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर में संपन्न हुआ, बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री व हिंदू सम्मेलन बसना प्रखंड के संयोजक बसंत देवता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड कारवाह पंचराम गहीर, बसना प्रखंड के सह मंत्री डीजेंद्र कुर्रे,बसना खंड के सत्संग प्रमुख मिनकेतन साहू, शामिल हुए, भंवरपुर खंड में भंवरपुर, बरतीयाभाटा , बनडबरी, पलसा पाली, झारबंद, कांदाडोंगर,कुम्हारी, करार्भोना खुसरूपाली, उमरिया, कोईलारी डीहि और संतपाली आते हैं, बैठक में सर्वसम्मति से सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर में 21 दिसंबर रविवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रात: 9:00 बजे से संध्या 4बजे तक संपन्न होना तय हुआ, इस भव्य एवं दिव्य कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए एक समिति का गठन किया गया जिसमे की कमल स्वर्णकार संयोजक, उद्धव पटेल सहसंयोजक, मोतीलाल यादव व्यवस्था प्रमुख, डीजेंद्र कुर्रे प्रचार प्रसार प्रमुख, डिग्री लाल निषाद कोषाध्यक्ष, राजकुमार चंद्रवंशी सह व्यवस्था प्रमुख , गुणसागर पटेल सह प्रचार प्रसार प्रमुख, शुभम दास सह कोषाध्यक्ष, गिरधारी नायक कार्यक्रम प्रमुख, देवेंद्र सेठ सह कार्यक्रम प्रमुख का दायित्व दिया गया, भंवरपुर खंड के सभी ग्रामों में गृह संपर्क एवं हिंदू सम्मेलन के लिए प्रभारी बनाया गया भंवरपुर का प्रभार कमल स्वर्णकार को, बरतियाभाटा का शुभम दास , बनडबरी का प्रभार चमन लाल राठिया, पलसा पाली, झारबंद, कांदाडोंगर का प्रभार मोतीलाल यादव, कुम्हारी, करार्भोना ,खुसरूपाली, का प्रभार दिवाकर नंद और प्रेमखूंटे उमरिया कोईलारीडीही का प्रभार उद्धव पटेल को, संतपाली का प्रभार नयन श्रीवास को दिया गया।

वर्षों बाद सड़क निर्माण ,राहगीरों के चेहरे पर मुस्कान

टारजन महेश

सारँगढ़ (समय दर्शन)। कई वर्षों से खराब सड़कों का सारँगढ़ बिलाईगढ़ जिले में जाल बिछा हुआ था सारँगढ़ को गड्ढो का शहर भी कहा जाता था सारँगढ़ से रायगढ़ य सारँगढ़ से बिलासपुर तीनो तरफ़का सड़क बहुत खराब स्थिति में था सता पक्ष से लेकर विपक्ष के नेताओ और आम जन मानस ने सड़क को लेकर आंदोलन किया था अब जाके तीनो सड़को मरम्मतीकरण का कार्य चल रहा है आपको बता

कई वर्षों की प्रतीक्षा के बाद आखिरकार इस सड़क का निर्माण पूरा हो रहा है। सारंगढ़ से रायगढ़ जाने वाली मार्ग लगभग 15 साल से अधिक का समय हो चुका था लेकिन कभी नहीं बना था जगह जगह गड्ढों में तब्दील हो चुका था राहगीर परेशान थे सड़क दुर्घटना बढ़ती जा रही थी , सड़क से गुजरते मन ही मन शासन प्रशासन और सिस्टम को कोसते नजर आते थे सारंगढ़ को गड्ढों का गढ़ कहा जाता था लेकिन अब शायद इस शब्दों पर विराम लगेगा परेशान आमजन या राहगीर अब मुस्कराते गुजर रहे लंबे समय से खराब थी सड़क कभी बना तो छोटे मोटे पेच वर्क का काम बहुत मुश्किल से किया गया था लेकिन अब यह सड़क सुगम होता जा रहा है लगभग कुछ दिनो में यह सड़क बनकर तैयार हो जाएगा

राहगीरों का कहना है कि पुराने दिनों में इसी रास्ते पर चलना किसी परीक्षा से कम नहीं था। स्कूल जाने वाले बच्चे हों या रोज़ी-रोटी के लिए निकलने वाले मजदूर—हर किसी को मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज, जैसे ही नई सड़क पर पहला कदम पड़ा, लोगों की आँखों में राहत और उम्मीद दोनों झलकने लगीं। लगातार खराब सड़को से गुजरने वाले राहगीर अब गुजरते सुकून महसूस कर रहे

साफ़-सुथरी, मजबूत और चौड़ी सड़कज और उसके दोनों ओर खड़े लोग—उनके चेहरों पर आज सिर्फ एक ही भाव है: 'आखिरकार, हमारी आवाज़ सुनी गई।' यह सड़क न सिर्फ यात्रियों का रास्ता आसान कर रही है, बल्कि उनके दिलों में नए उत्साह की एक लंबी, पक्की लकीर भी खींच रही है। ह जनता यह भी सवाल कर रही की लंबे समय बाद बन रही सड़क उम्मीद है शासन प्रशासन और ठेकेदार गुणवत्तापूर्ण सड़के बनाई जाए।

मेड़ेसरा स्कूल में समाजसेवी नेहा अचल सूरी ने अपने जन्मदिन पर 500 से अधिक बच्चों को केक वितरित कर दिया सेवा संदेश

मेड़ेसरा (समय दर्शन)। समाजसेवी श्रीमती नेहा अचल सूरी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मेड़ेसरा स्कूल के 500 से अधिक बच्चों को केक वितरित कर जन्मदिन को एक अनोखे और प्रेरणादायी रूप में मनाया। इस अवसर पर तहसीलदार श्री राधेश्याम जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने इस मानवीय पहल की खुलकर प्रशंसा की।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित न्योता भोजन प्रोग्राम के उद्देश्य—बच्चों के पोषण, सामाजिक सहभागिता और सुखद माहौल—को सशक्त बनाने की दिशा में यह आयोजन एक सराहनीय कदम रहा। बच्चों के लिए तैयार किए गए केक की अनुमानित कुल लागत 22,000 आँकी गई है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे संकुल समन्वयक श्री सिद्धार्थ सिंह की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके विशेष मार्गदर्शन एवं समन्वय से संपूर्ण आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की प्रभारी श्रीमती मंजू सिंह ने वितरण व्यवस्था एवं बच्चों की गतिविधियों को उत्कृष्ट ढंग से संचालित किया।स्कूल के प्रधान पाठक श्री अमरलाल केसरा ने सूरी परिवार को इस सेवा और सहयोग के लिए हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि नेहा अचल सूरी द्वारा किया गया यह कार्य बच्चों में खुशी और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने वाला है तथा समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए नेहा अचल सूरी ने कहा कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसरों को बच्चों की मुस्कान और उनके कल्याण के साथ जोड़ना ही उनकी वास्तविक खुशी है। वे आगे भी शिक्षा, पोषण और समाजसेवा से जुड़े कार्यों में निरंतर योगदान देती रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान मेड़ेसरा स्कूल परिसर में उल्लास, आनंद और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

गांजा तस्करों को न्यायालय ने पंद्रह - पंद्रह वर्ष सश्रम कारावास का सुनाया सज़ा

सरायपाली (समय दर्शन)। वंदना दीपक देवांगन विशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस) सरायपाली के न्यायालय में थाना सिंघोड़ा के अपराध क्रमांक 48/2020 धारा 20 आ नारकोटिक्स एक्ट के प्रकरण में आरोपी 1. राजेंद्र शर्मा पिता जगदीश शर्मा निवासी रामकृष्ण नगर बरमपुर जिला गंजान (उड़ीसा) 2. विकास मीणा पिता सरदार मीणा निवासी मकसी थाना शाजापुर (म.प्र) 3. प्रमोद शर्मा पिता रघुनंदन शर्मा निवासी दुर्गा कॉलोनी अंगपात थाना चिमनगंज उज्जैन (म.प्र) के संयुक्त कब्जे से जप्त 210 किलोग्राम गांजा का अवैध परिवहन के आरोप में दोषी पाते हुए सभी आरोपियों को पंद्रह - पंद्रह वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो - दो लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया, अर्थदंड भुगतान न करने पर एक एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास से दंडित किए गए। घटना दिनांक 24-06-2020 की है थाना सिंघोड़ा के तत्कालीन थाना प्रभारी उप. निरीक्षक चंद्रकांत साहू को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि उड़ीसा की ओर से बड़ी खेपगांजा लेकर आरोपीगण आ रहे हैं, तत्काल हमराह स्टाफएवं स्वतंत्र गवाहों को लेकर थाना प्रभारी ने थाना के समीप रियाज ढाबा के सामने नाकेबंदी कर संदिग्ध वाहन आईसर 1110 क्रमांक एम.पी.13 जी.बी. 0342 को रोकने पर वाहन में पशु आहार के नीचे सात नग प्लास्टिक बोरी में खाखी रंग के टेप से टेपिंग किया।

रानी लक्ष्मीबाई जयंती पर महिला सशक्तिकरण संगोष्ठी, छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, राजनांदगांव इकाई द्वारा कमला देवी राठी कन्या महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एबीवीपी छत्तीसगढ़ प्रांत सहमंत्री श्रीमती मनीषा राणा रहीं।

संगोष्ठी की शुरुआत मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद और रानी लक्ष्मीबाई के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद छात्राओं ने रानी लक्ष्मीबाई के जीवन, त्याग और पराक्रम पर आधारित आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम स्थल को श्रीरांगना थीमश् से सजाया गया, जिसने पूरे वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया।

मुख्य अतिथि मनीषा राणा ने अपने संबोधन में कहा कि रानी लक्ष्मीबाई नारी शक्ति, साहस और नेतृत्व का अद्वितीय प्रतीक हैं। उन्होंने छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। प्रोफेसर श्रीमती राम कुमारी ध्रुर्वा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की नींव शिक्षा और आत्मसम्मान है तथा प्रत्येक छात्रा को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

नगर मंत्री अक्षत कुमार श्रीवास्तव ने प्रेरक पंक्तियों के साथ कहा कोमल है कमजोर नहीं तू, शक्ति का नाम ही नारी है, जग को जीवन देने वाली, मौत भी तुझसे हारी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय की बेटियों में अपार संभावनाएं हैं और अभाविप उनके सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्यरत है।

कार्यक्रम में गोल्ड मेडल विजेता सुश्री मधु अहीर भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन हमें दृढ़ संकल्प और साहस के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मंच पर नगर मंत्री अक्षत श्रीवास्तव, प्रांत सहमंत्री मनीषा राणा, प्रोफेसर रामकुमारी ध्रुर्वा, जिला संयोजक जीत प्रजापति तथा मधु अहीर की उपस्थिति रही, जिनका आयोजन समिति द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश साविष्कार प्रमुख चन्दना श्रीवास्तव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धनंजय पांडेय, नगर सहमंत्री निकिता श्रीरंगें, स्टूडेंट्स फॉर सेवा प्रमुख चैतन्या द्विवेदी, नगर महाविद्यालय प्रमुख जीत शर्मा, नगर सहप्रमुख वेणुका, स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट प्रमुख कुलदीप पाल, राष्ट्रीय कला मंच की नगर प्रमुख युक्ता मंडावी सहित कई पदाधिकारी और छात्राएं उपस्थित रहीं।

अभाविप पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजन छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक जागरूकता को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम का संचालन अभाविप की छात्रा कार्यकर्ताओं ने किया। बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति से आयोजन सफल रहा।

उड़ान केन्द्र सरायपाली में एसडीएम की उपस्थिति में उत्साह से मनाया गया 77 वां एनसीसी दिवस

सरायपाली (समय दर्शन)। शासकीय आदर्श उच्चतर विद्यालय /स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सरायपाली के एनसीसी कैडेट्स ने 77 वां एनसीसी दिवस उड़ान दृष्टि एवं श्रवण बाधित विशेष (आवासीय) विद्यालय सरायपाली में दृष्टिबाधित एवं श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया। सरायपाली एसडीएम अनुपमा आनंद (आईएएस) के मुख्य आतिथ्य में एनसीसी दिवस समारोह संपन्न हुआ। समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासन,देशभक्ति,समर्पण,एकता की भावना एवं अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पूरा परिसर विभिन्न बैनर,पोस्टर,फ्लैक्स,नारे स्लोगन की तख्तियों से भरा रहा और सुबह से ही उत्साह,नए उमंग, सकारात्मक ऊर्जा सहित देशभक्ति का रग - रग में संचार करते हुए दृष्टिगोचर हो रहा था। 28 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी रायगढ़ के कमान अधिकारी कर्नल पी.के.तेवतिया ने सभी एनसीसी कैडेट्स को एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं दी। समारोह में प्रतिवेदन वाचन एनसीसी अधिकारी फर्स्ट ऑफिसर जे.एल.पटेल द्वारा किया गया उन्होंने एनसीसी के इतिहास,उद्देश्य,युवाओं में राष्ट्रभक्ति जागृत करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए यूनिट प्रारम्भ से आज तक की सफर और उपलब्धियों की सारगर्भित जानकारी साझा किया। मुख्य अतिथि एसडीएम आनंद (आईएएस) ने अपने संबोधन में कहा कि एनसीसी के माध्यम से कैडेट्स में लीडरशिप, अनुशासन,एकता,देशभक्ति,निष्ठा, सेवा की भावना जैसे विशिष्ट गुणों, भावनाओं का विकास होता है। यह समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना प्रबलता का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने एनसीसी दिवस की बधाई देते हुए कैडेट्स को निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने प्रेरित किया एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और इस विशिष्ट आयोजन की सराहना किया।

जे.पी.पटेल (प्राचार्य आदर्श उमावि सरायपाली) ने कैडेट्स को एनसीसी दिवस की बधाई दी एवं कैडेट्स को सतत रूप से राष्ट्रहित, समाजहित में कार्य करने,सदैव लक्ष्य पर ध्यान फोकस करने की प्रेरणा दी, इस अवसर पर उड़ान आवासीय विद्यालय की संचालिका उमा साहू ने एनसीसी दिवस समारोह के लिए उड़ान संस्था को चुने जाने पर काफी खुशी व्यक्त करते हुए भरपुर सहयोग,समर्थन दिया। दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा साइन लैंग्वेज के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और नशामुक्ति का व्यापक संदेश दिया गया, इस अवसर पर दिव्यांग विद्यार्थियों को फ्ल,बिस्किट आदि खाद्य सामग्री वितरित किया गया और एनसीसी यूनिट द्वारा नगद प्रोत्साहन राशि बालहित में संस्था को भेंट किया गया। एनसीसी दिवस पर एक पेड़ उड़ान विद्यालय के दिव्यांग बच्चों के नाम उड़ान आवासीय विद्यालय परिसर में बादाम पेड़ का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण,पर्यावरण संतुलन एवं हरियाली का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सेजेस प्राचार्य प्रदीप नारायण सेठ,व्याख्याता रवींद्र कुमार पटेल एवं व्याख्याता हरिशंकर त्रिपाठी,पीटीआई जयमिनी पटेल, चंद्रकुमार,सीएसएम जसमीत सिंह रैना सहित दिव्यांग विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स,उड़ान केन्द्र के सहयोगी स्टॉफ आदि की भरपूर सहभागिता/उपस्थिति रही, कार्यक्रम का ओजस्वी रूप से संचालन प्रधान पाठक यशवंत कुमार चौधरी द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन व्याख्याता महेश नायक द्वारा किया गया ।

गरियाबंद में 'अनुज नाइट' का जबरदस्त जलवा,ससुराल गेंदा फूल' और 'आरुग हे कलसा' पर थिरका हजारो का हुजूम

गरियाबंद (समय दर्शन)। दीपावली उत्सव समिति गरियाबंद के तत्वाधान में 22 नवंबर की रात गांधी मैदान ने ऐसा नज़ारा देखा जो वर्षों तक याद रखा जाएगा। पद्मश्री अनुज शर्मा नाइट के मंच पर जैसे ही छत्तीसगढ़ी लोकसंगीत के सुपरस्टार अनुज शर्मा उतरे, दस हजार से ज्यादा दर्शकों का हुजूम तालियों और जयकारों से गूंज उठा। पूरा मैदान मानो एक विशाल मेला बन गया था, जहां दूर-दूर से आए लोग अपने प्रिय कलाकार की एक झलक पाने को बेताब नज़र आए।

ससुराल गेंदा फूल', 'आरुग हे कलसा', और एक से बढ़कर एक सुपरहिट गीतों पर दर्शक देर रात तक झूमते रहे। अनुज शर्मा का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोला—श्रोता बोले, गरियाबंद ने इतने बड़े कार्यक्रम की कभी कल्पना नहीं की थी, यह रात यादगार बन गई।कार्यक्रम के दौरान अनुज शर्मा ने अपनी यादें ताज़ा करते हुए कहा कि लगभग 24 वर्ष पहले वे अपनी दूसरी फिल्म मया दे दे मया ले ले की शूटिंग के दौरान गरियाबंद में रूके थे। उन्होंने रेस्ट हाउस,स्थानीय लोगों के साथ बिताए पल और राजू भाचा के हाथों का खाना याद करते हुए मुस्कुराए।उन्होंने गरियाबंद के फेमस पान को भी अपने गीतों में पिरोकर दर्शकों का दिल जीत लिया। अनुज ने भावुक होकर कहा कि आज ऐसा लगा जैसे मैं अपने परिवार के बीच कार्यक्रम कर रहा हूं। आने में थोड़ी देरी हुई, लेकिन ऐसा जनसैलाब देखकर लगा कि अपने लोग ही किसी अपने का इंतजार कर सकते हैं। आपका प्यार ही मेरी ऊर्जा है। मैं दिल से धन्यवाद देता हूं दीपावली उत्सव समिति को, जिन्होंने इतना भव्य मंच और शानदार व्यवस्था बनायी। 400 किमी सड़क और हवाई सफर की थकान आपके उत्साह ने पल में मिटा दी। मैं अपने पूरे परिवार के साथ आया हूं, और आप सब भी मेरा परिवार हो।

चाक-चौबंद सुरक्षा, थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव की टीम सतर्क

पूरे कार्यक्रम के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही,,,,,थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव और उनकी टीम कार्यक्रम स्थल पर लगातार मौजूद रही, जिसके चलते आयोजन बिना किसी बाधा के शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त-खबर

सद्भावना क्रिकेट लीग 30 नवंबर को, चार जिलों की टीमें होंगी आमने-सामने

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पशु चिकित्सकों के बीच खेल भावना और आपसी सद्भाव बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय सद्भावना क्रिकेट लीग का आयोजन 30 नवंबर 2025 को किया जा रहा है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी राज्य स्तर की चार टीमें रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और बालोद टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी।

मैच पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा (दुर्ग) के कॉलेज ग्राउंड में खेला जाएगा। उद्घाटन समारोह सुबह 9 बजे कॉलेज मैदान में होगा।

आयोजन को लेकर प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ संघ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हमने इस टूर्नामेंट में चार जिलों के डॉक्टरों को शामिल किया है। हमारा उद्देश्य डॉक्टरों के बीच शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना और उन्हें स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाने में मदद करना है।

कार्यक्रम के दौरान दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति डॉ. आरआरबी सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चन्द्रकांत वर्मा, संचालक पशुधन विकास विभाग करेंगे। इसके अलावा अधिष्ठाता डॉ. संजय शाक्य, अपर संचालक डॉ. केके ध्रुव बड़ी संख्या में पशु चिकित्सा अधिकारी और महाविद्यालय के छात्र उपस्थिति रहेंगे।

खिलाड़ियों और आयोजकों में टूर्नामेंट को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

ओड़िशा से सरिया क्षेत्र में परिवहन करते हुए 560 बोरी अवैध धान से भरा वाहन जब्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर एसपी के दौरे के दूसरे दिन सरिया तहसीलदार कोमल साहू के नेतृत्व में जांच दल ने बिना वैध दस्तावेज के ओड़िशा से सरिया परिवहन कर रहे 560 बोरी धान से भरे वाहन क्रमांक ओडी 17 के 7832 को ग्राम बोरिदा में अवैध होने के कारण मंडी अधिनियम के तहत जप्ती प्रकरण बनाया गया, जिसे अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना प्रभारी सरिया के सुपुर्द किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर के निर्देश के बाद जांच दल को शीघ्र कामयाबी मिली है। यह अवैध धान भठली ओड़िशा से नौघटा सरिया ले जाया जा रहा था।

कंटेनर की टक्कर से ब्रेड विक्रेता की मौत

बसना(समय दर्शन)। शनिवार को सुबह लगभग 11.30बजे ग्राम बिटांगीपाली स्थित ढाबा के पास एक कंटेनर की टक्कर से ब्रेड विक्रेता की मौत हो गई। मामले की रिपोर्ट पर बसना थाने में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को सुबेलाल चौहान निवासी ग्राम बरतियाभांठा थाना सरायपाली ने बताया कि उसका बड़ा भाई चंदर सिंह चौहान आसपास के गांव में घूम-घूम कर डबलरोटी (ब्रेड) बेचने का काम करता है। 22 नवंबर की सुबह करीबन 9 बजे अपनी बाइक हीरो होंडा क्रमांक सीजी 04 जेडके 2805 से डबलरोटी (ब्रेड) बेचने के लिये निकला था। वह करीबन 11.30 बजे एनएच 53 रोड में बसना से सरायपाली की ओर आ रहा था, तभी सत्कार ढाबा के सामने ग्राम बिटांगीपाली के पास रायपुर की ओर से आ रहे कंटेनर वाहन क्रमांक आरजे 07 जीडी 7189 के चालक ने अपने वाहन को उपेक्षापूर्ण एवं लापरवाही पूर्वक तथा खतरनाक ढंग से चलाते हुए उसके भाई की बाइक को पीछे से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिससे उसका भाई चंदर सिंह चौहान बाइक सहित अनियंत्रित होकर रोड में गिर गया व कंटेनर वाहन के पीछे चक्के के नीचे दब गया और उसकी मौत हो गई। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट, 106(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया।

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता दिनांक 01.01.2026 के संबंध में आज जिला कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के द्वारा बैठक में उपस्थित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली द्वारा 27 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी कार्यक्रम की जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का मुख्य उद्देश्य है कि कोई अवैध नागरिक न जुड़े एवं भारत के वैध नागरिक न छुटे, जिससे मतदाता सूची शुद्ध हो। एसआईआर के तहत मृत एवं अन्यत्र निवासरत व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची से हटाया जाएगा।

ग्राम पंचायत बंसूला में मितानिन दिवस का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना के शरहद में बसा ग्राम बसुंला में सरपंच नवीन साहू के मुख्य आतिथ्य में मितानिनों के द्वारा ग्राम पंचायत भवन में मितानिन दिवस मनाया गया।

प्रति वर्ष 23 नवंबर को मितानिन दिवस मनाया जाता है। जिन्हे आशा कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। जो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है। वे हर घर तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने और लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं।

प्रत्येक गांव में जनसंख्या के आधार पर मितानिन की नियुक्ति की जाती है जो प्राथमिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का निदान करती हैं। सरपंच नवीन साहू ने कहा कि मितानिन दीदी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देने और उनका लाभ पहुंचाने और बीमारियों के प्रति ग्रामीण जनता को जागरूक करती हैं।

ग्रामीण महिलायें अपने और अपने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कम जानकारी रखती हैं और अपनी बातों को खुलकर नहीं बतातीं ऐसी परिस्थिति में मितानिनों से खुलकर अपनी बातों को रखती हैं।

टीकाकरण से लेकर बीमारियों की रोकथाम तक मितानिनों का महत्वपूर्ण योगदान

मितानिनें समय समय पर टीकाकरण के लिए लोगों को प्रेरित करती हैं। महिलाओं को प्रसव के पहले देखभाल सिखाती हैं और जच्चा-बच्चा दोनों के स्वास्थ्य के बारे जानकारी देती हैं। इसके अलावा वे घर घर जाकर लोगों को मलेरिया, निमोनिया, टी बी, हैजा जैसे बीमारियों के प्रति जागरूक रहती हैं। किसी भी स्वास्थ्य संबंधी सुझाव के लिए ग्राम स्तर पर मितानिन दीदीओं का विशेष योगदान रहता है।

संस्कार सिटी में सजा विज्ञान का महाकुंभ, डीपीएस रिसाली का 'इंडक्शन हीटर' रहा सबसे आगे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल का प्रांगण आज एक विशाल प्रयोगशाला में तब्दील नजर आया। अवसर था जोनल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का, जहां अंचल के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के उभरते हुए नन्हे वैज्ञानिकों का जमावड़ा लगा। इस भव्य आयोजन में छात्रों ने अपनी वैज्ञानिक सोच, तकनीकी दक्षता और नवाचार का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया, जिसने वहां उपस्थित शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण के साथ हुआ। शाला की प्राचार्या श्रीमती रेखा तिवारी एवं वरिष्ठ शिक्षकों ने मुख्य अतिथियों का तिलक लगाकर और पुष्प-गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय का वातावरण उत्साह और जिज्ञासा से सराबोर था।

प्रदर्शनी में मॉडल्स के मूल्यांकन के लिए एक उच्च स्तरीय निर्णायक मंडल का गठन किया गया था, जिसमें शिक्षा और विज्ञान जगत की दिग्गज हस्तियां अनुराग सक्सेना (भूतपूर्व व्याख्याता एवं विज्ञान विशेषज्ञ) एवं प्रोफेसर (डॉ.) गुरप्रीत कौर छाबड़ा (प्राचार्य, संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजनांदगांव) शामिल थीं। निर्णायक मंडल ने महज मॉडल्स को देखा नहीं, बल्कि छात्रों से उनसे जुड़े वैज्ञानिक सिद्धांतों, उनकी उपयोगिता और निर्माण प्रक्रिया पर कड़े सवाल भी पूछे। निर्णायक सदस्यों ने कहा कि, आज के बच्चों की सोच केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, वे समाज की समस्याओं का व्यावहारिक हल खोजने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रदर्शनी में विभिन्न स्कूलों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और आधुनिक सुरक्षा जैसे विषयों पर आधारित मॉडल्स प्रस्तुत किए।

प्रथम पुरस्कार-दिल्ली पब्लिक स्कूल, रिसाली (भिलाई) ने अपने मॉडल इंडक्शन हीटर के जरिए ऊर्जा संरक्षण का बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जिसे निर्णायक ने सर्वाधिक सराहा।

कलेक्टर ने किया एसआईआर-2026 कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर - 2026) को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रणबीर शर्मा ने बीते दिवस देर शाम 7 बजे ग्राम चोरभट्ठी, मटका एवं आस-पास के अन्य गांवों में पहुंचकर बीएलओ व सुपरवाइजरों के कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने घर-घर सर्वे, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार, मृत मतदाताओं के नाम हटाने, तथा फॉर्म-6, 7 और 8 के संधारण की स्थिति का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित किया जाए एवं प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से जोड़ा जाए। श्री शर्मा ने ग्रामीणों से भी बातचीत कर पुनरीक्षण कार्य की वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य पूर्णत: संवेदनशील है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं। प्रत्येक प्रविष्टि पारदर्शी और तथ्यात्मक होनी चाहिए। कलेक्टर ने सुपरवाइजरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नियमित निगरानी रखें, फील्ड विज़िट बढ़ाएँ, दैनिक आधार पर समीक्षा करें, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि या लापरवाही की गुंजाइश न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में स्ट्रक-2026 के अंतर्गत सभी ग्रामों एवं वार्डों में कार्य तेजी से और प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है, जिससे आगामी निर्वाचक नामावली पूर्णत: अद्यतन, सटीक और त्रुटि-रहित तैयार हो सके। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित व प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए कमला कॉलेज की छात्राएं चयनित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में 18 नवंबर 2025 को आयोजित परिक्षेत्र स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप अपने नाम की। महिला वर्ग में कुल 6 टीमों के बीच हुए मुकाबलों में कमला कॉलेज की छात्राएं शुरू से ही श्रेष्ठता साबित करती रहीं।

कॉलेज की ओर से कु. सफा फरहीन, कु. अंशिका अग्रवाल, कु. प्रीति तारम एवं कु. पूनम ने भाग लिया। पहले मैच में टीम ने शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय को 2-0 से पराजित किया। इसके बाद सेमीफाइनल में शासकीय नेहरू महाविद्यालय, डोंगरगढ़ को 2-1 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबला रोमांच और संघर्ष से भरपूर रहा, जिसमें कमला कॉलेज की टीम ने शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव को 2-1 से मात देकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में कु. अंशिका अग्रवाल और कु. सफा फरहीन का प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा, जिसके आधार पर दोनों छात्राएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुईं।

छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयसिंग साहू, क्रीड़ाधिकारी डॉ. नीता एस. नायर एवं समस्त प्राध्यापक-कर्मचारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। चयनित खिलाड़ियां आगामी 28 व 29 नवंबर 2025 को शासकीय महाविद्यालय कोंडागांव में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में राजनांदगांव जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अवैध धान परिवहन एवं बिक्री पर लगतार कार्यवाही जारी,2 बोलेरो पीकअप वाहन के साथ 46 क्विंटल अवैध धान जप्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीगर राज्य से आने वाले धान के परिवहन की रोकथाम हेतु बार्डर के चेक पोस्ट में तैनात बल द्वारा गैर कानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किया गया था।छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्यों पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों को निर्धारित धान खरीदी केंद्रों में किये जाने हेतु प्रावधान है।चेक पोस्ट के माध्यम से तैनात पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।इसी क्रम में 23 नवंबर को दो बोलेरो पीकअप वाहनों क्रमांक ओ.डी.-08 ई. 9187 एवं बोलेरो पीकअप वाहनों क्रमांक ओ.डी.-08 बी.7665 वाहनों में अवैध धान परिवहन करते 115 कट्टा (46 क्विंटल) कीमती 01 लाख 42 हजार 600 रूपये को समक्ष गवाहन के जप्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया।

विगत 15 दिवस में गरियाबंद पुलिस द्वारा अवैध धान परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध 16 वाहनों के साथ 354.8 क्विंटल धान कीमती 10 लाख 99 हजार 880 रूपये की कार्यवाही किया गया है।

धान खरीदी तिहार में किसानों को मिल रही राहत

बेमेतरा (समय दर्शन)। प्रदेश में जारी धान खरीदी तिहार किसानों के लिए राहत और विश्वास का नया अध्याय खोल रहा है। बेमेतरा जिले के ग्राम खाती निवासी किसान यशवंत साहू ने इस वर्ष पदुमसरा धान खरीदी केंद्र में अपनी उपज बेचकर बड़ी संतुष्टि व्यक्त की है। यशवंत साहू ने कुल 192 क्विंटल धान बेचा और सरकार की पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था की खुलकर सराहना की ।

यशवंत साहू बताते हैं कि इस बार ऑनलाइन टोकन व्यवस्था की वजह से केंद्रों में अनावश्यक भीड़ बिल्कुल नहीं दिखती। तय समय पर पहुंचने से तुरंत तौल प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिससे किसानों का समय और श्रम दोनों बच रहा है। वे कहते हैं कि खरीदी केंद्र में बोझा उतरवाने, तौल, गुणवत्ता परीक्षण, भुगतान प्रक्रिया और लाइन व्यवस्था सभी पहले के मुकाबले काफी बेहतर और सुचारू हैं। किसान यशवंत साहू ने कहा कि केंद्र में उपलब्ध पेयजल, शेड, बैठने की व्यवस्था और साफ-सफाई ने किसानों की परेशानी काफी कम की है। हमको धान विक्रय करने में इस बार कोई दिक्कत नहीं आई, सारी प्रक्रिया बिल्कुल सहज और बिना किसी बाधा के हुई, उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया। वे बताते हैं कि सरकार द्वारा निर्धारित 31 सौ रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और भुगतान का सीधे बैंक खाते में त्वरित हस्तांतरण किसानों की सबसे बड़ी राहत है। उनके अनुसार, खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता और समय पर भुगतान होने से खेतिहर परिवारों को बड़ी आर्थिक मजबूती मिल रही है।

ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार काला धुंआ फेक रही है-भूपेश बघेल

पाटन(समय दर्शन)। निपानी में कबड्डी प्रतियोगिता समापन समारोह के मुख्य अतिथि भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा की सरकार ट्रिपल इंजन की सरकार फेल हो चुका है काला धुआ फेक रही है। किसान, मजदूर,महिला,बेरोजगार,युवा सहित सभी वर्गों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं पूरी तरह से बंद कर दी है।यहां तक यह सरकार पंचायत में आने वाली 15वे वित्त,मूलभूत राशि को देने में अक्षम नजर आ रही है।विकास कार्य,सरकारी योजनाएं पूरी तरह से धरातल पर नजर नहीं आ रही है।किसानों की समस्याओं को गंभीर बताई किसानों को ना तो खाद मिली ना तो अब बेचने की व्यवस्था नहीं हो पा रही है उन्होंने कहा कि समिति के कर्मचारी द्वारा आंदोलन को जायज बताया सबसे समस्या किसानों का है अब किसानों को धान बेचने को मजबूर हो चुके हैं किसी के नाम गायब है तो किसी का और कुछ गायब है लोग तहसील एवं पटवारी के चक्कर काट रहे हैं यहां तक किसानों को खुद के कमाई को सरकार के पास नहीं बेच पा रहे हैं। सरकार खाद नहीं देने के कारण लोगों को भारी दिक्कत हुई और अधिक राशि में खरीदना पड़ा समय में खाद नहीं मिलने से उत्पादन में भी कमी दिख रही है उक्त बातें ग्राम निपानी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन में कही। अध्यक्षता पूर्व जिप उपाध्यक्ष विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने की।

स्वागत भाषण ग्राम के सरपंच राजेश ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में 18करोड़ की राशि से विकास कार्य हुआ है।आज भाजपा की सरकार में सभी सरपंच ठन ठन गोपाला हो गए हैं।ठाकुर ने सभी अतिथियों को भावभरा निमंत्रण स्वीकार करने को आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राकेश ठाकुर (जिला कांग्रेस अध्यक्ष),नोमिन हितेश ठाकुर (सदस्य जिला पंचायत दुर्ग),

राजेश ठाकुर(अध्यक्ष,ब्लॉक कमेटी जामगांव क्र),रश्मि भेदप्रकाश वर्मा (सदस्य जनपद पंचायत पाटन),सोहन जोशी(मंडल अध्यक्ष रानीतराई),तोरण साहू(उपसरपंच),भोजराम रघुवंशी(निपानी सेक्टर प्रभारी),संतोषसिंह ठाकुर,हेमंत कुमार,निलेश सिन्हा,रमेन्द्रसिंह ठाकुर,धनीराम सिन्हा,झुमुक लाल रघुवंशी एवं पंचगण मंचासीन रहे।

इस अवसर पर भविष्य जैन,संतोष पटेल,डा के के साहू,सुतीक्ष्ण साहू,धनेश सिन्हा,संतोष साहू,दिलीप सिन्हा,दिनेश साहू,लोकेश सिन्हा,योगेश साहू,मोहित सारथी,अमितेश ठाकुर,खेमलाल सिन्हा,ऐश्वर्य ठाकुर,चरण ठाकुर,अरुण,तामेश्वर बंजारे,बिट्टू बनपेला,अभिषेक ठाकुर,मनोज कुमार,नितेश यादव,चूरामन यादव,पुनेश्वर सिन्हा,डीकेश सिन्हा,पुष्पेंद्र साहू यंग स्टार क्लब एवं अंचलवासी शामिल हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26